@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 15 अप्रैल 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 160 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मोदी ने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

एजेंसी
देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून तक निर्मित 212 किलोमीटर लंबे छह लेन ग्रीनफील्ड दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे को राष्ट्र को समर्पित किया। यह एक्सप्रेस-वे दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ेगा। करीब तीन वर्ष में तैयार इस एक्सप्रेस-वे पर वाहन बिना रुके तेज गति से संचालित हो सकेंगे और दिल्ली से देहरादून की यात्रा लगभग ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। परियोजना में 16 प्रवेश एवं निकास प्वाइंट, 12 टोल प्लाजा तथा 76 किलोमीटर सर्विस रोड का निर्माण किया गया है। करीब 13 हजार करोड़ रुपये की लागत से बने इस एक्सप्रेस-वे पर 62 फ्लाईओवर और 113 अंडरपास बनाए गए हैं। परियोजना में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। वन्यजीवों की आवाजाही के लिए विशेष अंडरपास तथा हाथियों के लिए सुरक्षित गलियारा विकसित किया गया है।

यह इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रगति के नए द्वार : मोदी

एजेंसी
देहरादून। पीएम मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्तराखंड के विकास, कनेक्टिविटी, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तीकरण पर अपनी बात रखी। दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे कॉरिडोर केवल सड़क नहीं होते बल्कि ये विकास के नए द्वार खोलते हैं। ये नए व्यापार, उद्योग, गोदाम और फैक्ट्रियों के लिए रास्ता तैयार करते हैं। इस कॉरिडोर से पूरे क्षेत्र का कायाकल्प होने की उम्मीद है और लोगों के लिए नई संभावनाएं पैदा होंगी। अपने संबोधन की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय देश में त्योहारों की खुशी और नववर्ष का उत्साह है। उन्होंने सभी नागरिकों को वैसाखी, बोहाग बिहू और पुथंडु की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा केदार के दर्शन के बाद उन्होंने जो बात कही थी कि इस सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा, वह अब सच होती दिख रही है। प्रधानमंत्री ने खुशी जताते हुए कहा कि 'डबल इंजन सरकार' की नीतियों और राज्य के लोगों की मेहनत से उत्तराखंड तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे परियोजना इस प्रगति को और तेज करेगी और राज्य के विकास को नई गति देगी।

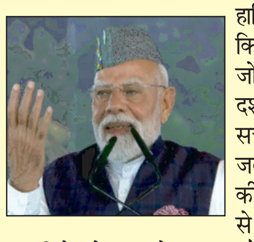

बैसाखी पर्व पर उपराष्ट्रपति ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में माथा टेका

एजेंसी
नई दिल्ली। बैसाखी के पावन अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुद्वारा यहां के रकाब गंज साहिब पहुंचकर माथा टेका और देशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू तथा दिल्ली के मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा भी उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने संगत के साथ गुरुद्वारा परिसर में श्रद्धा व्यक्त की और बैसाखी के इस महत्वपूर्ण पर्व पर देश में आपसी सद्भाव, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति से मुलाकात कर पुथांडु की शुभकामनाएं दी

• **हमने आने वाले वर्ष के लिए सुख, शांति और सभी के कल्याण की कामना की: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन**

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और पुथांडु के विशेष अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने एक्स पर कहा, आज यहां प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर और तमिल पुथांडु तथा बैसाखी के शुभ

अवसरों पर शुभकामनाएं देकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। हमने आने वाले वर्ष के लिए सुख, शांति और सभी के कल्याण की कामना की। हमने इस बात पर चर्चा की कि कैसे तमिल पुथांडु हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता को प्रदर्शित करता है और परंपरा, परिवार, आध्यात्मिकता और अनुशासित जीवन शैली को एक साथ लाता है। देश भर में एक ही समय पर मनाए जा रहे ये नव वर्ष उत्सव हमें हमारी सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता की याद दिलाते हैं और साथ ही एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को भी उजागर करते हैं।

प्रधानमंत्री के रोड शो में मानव श्रृंखला बनाकर लोगों ने बरसाए फूल

• **मोदी-मोदी के नारों से गूंजीं शिवालिक की पहाड़ियां**

एजेंसी
देहरादून। उत्तराखंड की शक्ति, सामर्थ्य और आर्थिक उन्नति के पथ का प्रतीक देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेस-वे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर प्रधानमंत्री मोदी पर फूल बरसा कर उनका भव्य स्वागत किया। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। रोड शो के बाद वे उत्तराखंड के प्रसिद्ध डाट काली मंदिर पहुंचे। यहां बालिकाओं ने महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र अयि गिरिनन्दिनी, नन्दित मेदिनि का सुंदर गाया। इस दौरान प्रधानमंत्री शांति से कुछ देर स्तोत्र की ऋचाओं को सुना। इसके बाद उन्होंने मॉं काली के दर्शन व पूजा-अर्चना की।

दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से बेहतर होगी कनेक्टिविटी; पैदा होंगे व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर: नितिन गडकरी

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह केवल एक सड़क परियोजना नहीं है, बल्कि देश के आर्थिक विकास को गति देने वाला एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस कॉरिडोर से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। गडकरी ने बताया कि इस दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर से प्रमुख पर्यटन स्थलों और आर्थिक केंद्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी, जिससे व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। खासतौर पर उत्तराखंड जैसे पर्यटन-प्रधान राज्य के लिए यह परियोजना एक बड़ी सौगात है।गडकरी ने बताया कि इस एक्सप्रेसवे के बनने से उत्तराखंड में आर्थिक, सामाजिक और औद्योगिक विकास के नए द्वार खुलेंगे। बेहतर कनेक्टिविटी से निवेश बढ़ेगा, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह परियोजना खासतौर पर उन लोगों के लिए लाभकारी साबित होगी, जो नियमित रूप से दिल्ली और देहरादून के बीच यात्रा करते हैं।

नोएडा दूसरे दिन भी बवाल

• **प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, पथराव: 350 से ज्यादा गिरफ्तारी**

एजेंसी
कोलकाता। नोएडा । नोएडा को चल रहे धरना-प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा शहर में सुदृढ़ पुलिस व्यवस्थापन किया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रशासन के अनुसार, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। जानकारी के मुताबिक, क्लियो काउंटी, गढ़ी चौखंडी, सेक्टर-121 और सेक्टर-70 जैसे क्षेत्रों में जो घटनाएं सामने आई हैं, वे मूल रूप से एक ही स्थान से जुड़ी हुई हैं। वहीं अब तक 350 से ज्यादा गिरफ्तारी हो चुकी है।

दोनों पक्षों से कल विस्तार में बात हुई: इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर

नोएडा में मज़दूरों के विरोध प्रदर्शन पर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा, 'दोनों पक्षों से कल विस्तार में बात हुई और सैकड़ों लोगों से बात हुई। दोनों तरफ की जो चुनौतियां और मांगे हैं उनको ध्यान में रखते हुए समिति ने सिफारिश की। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के अधिकारी काम कर रहे हैं।'

नोएडा में पूरी स्थिति सामान्य है: डीजीपी राजीव कृष्ण

उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन पर कहा, 'नोएडा में पूरी स्थिति सामान्य है। यहां सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं और नोएडा में हमारे अधिकारियों के साथ संवाद भी कर रहे हैं...सभी जगह स्थिति सामान्य है। मुख्यमंत्री ने कल एक कमेटी का गठन किया था और उस कमेटी ने तुरंत वहां जाकर सभी हितधारकों के साथ विस्तृत वार्ता की है। मामले में कुछ ऐसे लोग और समूह सामने आए हैं जिन्होंने इस प्रकरण में भड़काने का काम किया है। हमारे पास उनके इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य मौजूद हैं और उनके आधार पर कार्रवाई की जा रही है।'

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

• **बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए**

एजेंसी
नई दिल्ली/पटना। भाजपा के नेता और तारापुर विधानसभा सीट से बीजेपी के विधायक सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। उन्हें बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया है। हृष्ठ की बैठक के बाद इसकी ऑपचारिक घोषणा की जाएगी। कल 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (RLM) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए ट्वीट कर लिखा नयी जवाबदेही के लिए श्री सम्राट चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई और ढ़ेरों शुभकामनाएं।

अलवर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा

बस की केमिकल से भरे ट्रक से टक्कर, तीन की मौत, 30 लोग घायल

एजेंसी
अलवर (राजस्थान)। अलवर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार को सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। इस हादसे में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। यह हादसा राजगढ़ थाना क्षेत्र के पिनान स्थित चैनल नंबर 100 इंटरचेंज पुलिया के पास इंदौर से दिल्ली जा रही एक ट्रेवल बस के आगे चल रहे केमिकल से भरे ट्रक से टकराने से हुआ। मृतकों में बस चालक, एक महिला और एक बच्चा शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही एनएचआई ए की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए पिनान के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को अलवर और जयपुर रेफर किया गया है। थानाधिकारी राजेश मीणा ने बताया प्रारम्भिक सूचना में ड्राइवर के नींद आने से हादसा हुआ है।

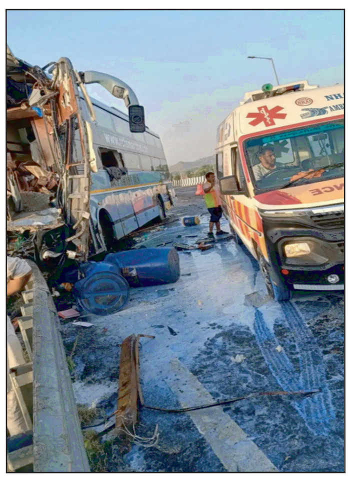

विकसित भारत के निर्माण के लिए बाबासाहेब के विचार प्रासंगिक :बिरला

• **'देश को और अधिक सशक्त तथा विकसित बनाएंगे'**

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि युवाओं की प्रतिभा, कौशल, नवाचार एवं समर्पण देश को और अधिक सशक्त तथा विकसित बनाएंगे। ओम बिरला ने लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में डॉ अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित 'नो योर लीडर' कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। बिरला ने भारत के युवाओं को बाबासाहेब के विचारों का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए आह्वान किया, 'युवाओं को सदैव राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने करना चाहिए। डॉ अंबेडकर का जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा, जागरूकता और संगठित प्रयासों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। आज जब हम विकसित और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, बाबासाहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका संघर्ष और दर्शन हमें अन्याय, असमानता और भेदभाव के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।'

जुलाई से दलित महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये, अन्य वर्गों की महिलाओं को 1,000 रुपये मिलेंगे: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका
आदमपुर (जालंधर), 14 अप्रैल। बाबा साहिब अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर एक निर्णायक कल्याण अभियान की शुरुआत करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब में लगभग हर महिला के सशक्तिकरण के लिए एक योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत प्रदेश भर की महिलाओं को 1000 से 1500 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस योजना को बाबा साहिब अंबेडकर के सामाजिक न्याय और समानता के दृष्टिकोण के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए, मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का शुभारंभ किया, जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाएं केवल तीन दस्तावेजों के साथ इस योजना का लाभ ले सकती हैं, जबकि कैंपों और सहायक स्टाफ के एक विशाल नेटवर्क के माध्यम से महिलाओं को उनके घर पर ही सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। यह योजना पहले 9 हलकों में शुरू की जाएगी और 15 मई से इसका विस्तार शेष 108 हलकों में किया जाएगा। योजना का भुगतान जुलाई से शुरू होगा और रजिस्ट्रेशन के लिए कोई समय सीमा नहीं होगी। इससे प्रत्येक पात्र महिला को लाभ की गारंटी प्रदान की गई है, चाहे वह कभी भी रजिस्ट्रेशन करवाए। 26,000 रजिस्ट्रेशन केंद्रों और हर गांव और वार्ड में तैनात समर्पित महिला सतिकार सखियों के साथ, इस योजना को बड़े पैमाने पर लागू करने, बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने और निश्चितता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जो इसे देश में महिलाओं के लिए सबसे व्यापक प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता पहलों में से एक बनाती है। वरिष्ठ आप नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया के साथ मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि यह योजना पायलट आधार पर आदमपुर, मलोट, श्री आनंदपुर साहिब, दिड़बा, सुनाम, मोगा, कोटकपूरा, बटाला और पटियाला देहाती सहित 9 हलकों में शुरू की गई है। उन्होंने कहा, शेष 108 हलकों में महिलाओं के लिए रजिस्ट्रेशन 15 मई से शुरू होगा। जुलाई 2026 से 1000 या 1500 रुपये का मासिक भुगतान शुरू होगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महिलाओं को पहुंच के बारे में आश्वस्त करते हुए कहा, पंजीकरण के लिए कोई समय सीमा नहीं है और महिलाओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे 15 अप्रैल, 15 मई या 15 अगस्त को पंजीकरण करवाएं। उन्होंने आगे कहा कि देर से पंजीकरण करवाने से लाभों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा, उन्हें जुलाई के बाद अपना पूरा भुगतान मिलेगा, इसलिए चाहे वे सितंबर के अंत में पंजीकरण करवाएं, फिर भी उन्हें तीन महीने यानी जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए पूरा भुगतान मिलेगा। दस्तावेज़ प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, पंजीकरण के लिए केवल तीन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है, जिनमें पंजाब के पते वाला आधार, पंजाब का वोटर आईडी और बैंक पासबुक शामिल है। अनुसूचित जातियों की महिलाओं के मामले में अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र भी आवश्यक है। जाति प्रमाण पत्र की कमी वाली महिलाओं की चिंताओं पर बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मैं जानता हूं कि मेरी कई अनुसूचित जातियों की बहनों और माताओं के पास जाति प्रमाण पत्र नहीं है, लेकिन उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है और उन्हें अपने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना चाहिए। शेष पृष्ठ 3 पर

नीतीश कुमार का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा

• **बिहार की राजनीति में 20 साल से अधिक लंबे 'नीतीश युग' का अंत**

एजेंसी
नई दिल्ली/पटना। बिहार की राजनीति में एक बड़ा बदलाव सामने आया है। राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही लगभग 20 वर्ष 5 माह लंबे 'नीतीश युग' का अंत हो गया है। 'सुशासन बाबू' के नाम से पहचान बनाने वाले नीतीश कुमार का जन्म 1 मार्च 1951 को पटना के बख्तियारपुर में हुआ था। नीतीश कुमार के पिता स्वर्गीय राम-लखन सिंह स्वतंत्रता सेनानी और प्रसिद्ध गांधीवादी नेता थे। उन्होंने बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (वर्तमान एनआईटी पटना) से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। उनकी राजनीतिक सोच पर समाजवादी विचारधारा का गहरा प्रभाव रहा, जो उन्हें महान नेताओं राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और विश्वनाथ प्रताप सिंह के सान्निध्य से मिला। उन्होंने 1974 से 1977 तक चले जेपी आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। इसी आंदोलन ने उनके भीतर समाजवाद की मजबूत नींव रखी और उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के लिए इसी राह को चुना। नीतीश कुमार ने वर्ष 1985 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बिहार विधानसभा में प्रवेश किया। उनकी राजनीतिक प्रतिभा के चलते 1987 में उन्हें युवा लोक दल का अध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद 1989 में वे जनता दल के महासचिव और नौवीं लोकसभा के सदस्य बने। उन्होंने 1989 से 2004 तक लगातार बाढ़ लोकसभा क्षेत्र से जीत दर्ज की। केंद्र सरकार में भी उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। अपने पहले कार्यकाल में वे केंद्रीय राज्य मंत्री बने और बाद में 2001 से 2004 के बीच रेल मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

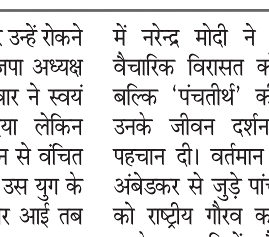

सूची के साथ छेड़छाड़ कर उन्हें रोकने की कोशिश की गई। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, नेहरू-गांधी परिवार ने स्वयं को तो भारत रत्न दिया लेकिन बाबासाहेब को इस सम्मान से वंचित रखा, लेकिन मैं मानता हूं उस युग के बाद जब वाजपेयी सरकार आई तब उन्होंने डॉ. अंबेडकर को भारत रत्न देने का काम किया। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने न केवल इस वैचारिक विरासत को आगे बढ़ाया बल्कि 'पंचतीर्थ' की स्थापना कर उनके जीवन दर्शन को वैश्विक पहचान दी। वर्तमान सरकार ने डॉ. अंबेडकर से जुड़े पांचों मुख्य स्थानों को राष्ट्रीय गौरव का केंद्र बनाकर उनके अनुयायियों और पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट पर

श्रीनगर (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों ही क्षेत्रों से अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। भूकंप की जानकारी मिलते ही संबंधित जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन इकाइयां तुरंत सक्रिय हो गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की भदेरवाह घाटी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह 4:55 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.9 दर्ज की गई है। डोडा जिले के लिए इस तरह की हलचलें चिंता का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि इससे पहले 12 अप्रैल को भी यहां 4.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप महसूस किया गया था, जिसका समय सुबह 04:32 बजे दर्ज हुआ था। इतना ही नहीं, मार्च की शुरुआत में भी क्षेत्र ने 4.2 तीव्रता के झटके झेले थे। लगातार आ रहे इन झटकों ने घाटी के लोगों को डरा दिया है। दूसरी ओर, उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ में भी मंगलवार सुबह 7:07 बजे धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए भूकंप केंद्र और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। गनीमत रही कि वहां भी स्थिति सामान्य है और संपत्तियों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। भूकंप की यह सक्रियता केवल उत्तर भारत तक ही सीमित नहीं रही है। हाल ही में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, विशेषकर हिंगोली जिले में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हिंगोली के जिलाधिकारी के अनुसार, पांगरा शिंदे गांव में कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रों की दीवारों में दरारें देखी गई थीं। देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार आ रहे ये झटके भूकंपीय संवेदनशीलता को दर्शाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

पटना (एजेंसी)। बीजेपी के कुम्हरार से विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक संजय गुप्ता पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि हादसे में उन्हें सीने में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टरों द्वारा जांचें की जा रही हैं ताकि किसी अंदरूनी चोट की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। इधर, घटना की खबर मिलते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। पार्टी के कई नेता और करीबी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

पटना में 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद, चार गिरफ्तार, 7 पर मामला दर्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में औषधि नियंत्रण प्रशासन ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को रानीगंज स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए। अधिकारियों ने 39 कार्टन में रखे करीब 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद किए। इसकी कीमत 27.30 लाख है। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पिकअप वाहन से नशीले इंजेक्शन की बड़ी खेप शहर में लाई जा रही थी। सूचना मिलते ही टीम ने पिकअप वाहन को रोका और शुरुआती खेप बरामद की। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर रानीगंज इलाके के गोदाम पर छापेमारी की गई। सोमवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम की तलाशी ली गई। इस दौरान भारी मात्रा में इंजेक्शन के कार्टन मिले। अधिकारियों के मुताबिक कुल 39 कार्टन में करीब 78 हजार इंजेक्शन थे, जिनकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक औषधि नियंत्रण प्रशासन ने इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया है। जांच में पता चला है कि जब्त किए गए इंजेक्शन का उत्पादन नारोडियन फार्मासिस्ट नामक कंपनी ने किया था। इसकी मार्केटिंग क्विक फार्मा एजेंसी के जरिए की जा रही थी। दोनों कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने इसे जांच का अहम पहलू बताया।

पुणे के रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां फरार, केयरटेकर को बंधक बनाकर रची साजिश

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां हडपसर इलाके के मोहम्मदवाड़ी रोड पर स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां केयरटेकर पर हमला कर फरार हो गईं। यह घटना 23 मार्च की है, लेकिन इसका खुलासा करीब 20 दिन बाद 12 अप्रैल को हुआ। फरार हुई इन सभी युवतियों को मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाया गया था और हाल ही में उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने के अदालती आदेश जारी हुए थे। पूरी वारदात संस्थान के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना वाले दिन सुबह करीब 6:30 बजे, जब परिसर में सफाई चल रही थी, एक युवती ने पेट दर्द का बहाना बनाया। जैसे ही केयरटेकर लक्ष्मी कांबले दवा लेकर कमरे में पहुंचीं, युवतियों ने उन पर हमला कर दिया। एक लड़की ने उन्हें पीछे से पकड़ा, जबकि अन्य ने उन्हें पीटा और उनके हाथ-पैर बांध दिए। केयरटेकर के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। सफाई कार्य के कारण उस समय मुख्य द्वार खुला रह गया था, जिसका लाभ उठाते हुए ये युवतियां बाहर की ओर भागीं। रास्ते में जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो युवतियों ने उसे भी नहीं बख्शा; उसे घसीटा गया और उसके हाथ पर दांत से काट लिया गया। इस अफरातफरी के बीच सभी 13 युवतियां परिसर से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और अब तक सैयद नगर व हडपसर इलाके से दो लड़कियों को बरामद कर लिया गया है, जबकि 11 अब भी लापता हैं।

बंगाल चुनाव: विधानसभाओं में गूंज रहा हृदय माझे काबा और नयने मदीना...गाना

-मुस्लिम वोटरों को लुभाने में जुटी टीएमसी, बीजेपी ने बताया तुष्टीकरण

कोलकाता (एजेंसी)। हृदय माझे काबा और नयने मदीना...यानी दिल में काबा और आंखों में मदीना...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच यह गाना विधानसभाओं में गूंज रहा है। यह गीत टीएमसी की सभाओं में उसकी सांसद सायनी घोष गा रही हैं। इस गीते की रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है तो वहीं रैलियों में वह खुद पूरा गीत गाकर मुस्लिम वोटरों का भरोसा जीतने में जुटी हैं। वहीं बीजेपी का कहना है कि यह मुस्लिम तुष्टीकरण है।

बता दें सायनी घोष टीएमसी सांसद हैं और पेशे से अभिनेत्री भी हैं। उन्होंने कई बांग्ला फिल्मों और सीरियल्स में काम किया। सायनी घोष ने बांग्ला टेलीफिल्म इच्चे दाना से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह 2021 में टीएमसी में आई थीं और फिर 2024 में जादवपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी और जीत हासिल की। हालांकि इससे पहले 2021 में उन्हें आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव के बाद ही जून 2021 में उन्हें टीएमसी की यूथ विंग का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की जगह ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की जगह उन्होंने यूथ टीएमसी की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता की वह कितनी करीबी हैं। सायनी घोष का नाम विवादों में भी जुड़ता रहा है। कई बार उनके बयान चर्चा में रहे हैं तो वहीं एक घोटाले में भी उनका नाम आया था। कम उम्र में ही बड़ी राजनीतिक सफलता पाने वालीं सायनी घोष अब अपनी गाने की क्षमता का इस्तेमाल राजनीतिक मंच पर कर रही हैं। वहीं बीजेपी इसे मुस्लिम तुष्टीकरण बता रही है।

बीजेपी समर्थकों की ओर से कई रील शेयर किए गए हैं और लिखा जा रहा है कि आखिर एक सांसद कैसे मंच से इस तरह का गाना गा सकती है। सायनी घोष को बीजेपी पर तीखे हमलों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनका दिया एक नारा भी चर्चा में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल दिखाएगा- ममता की क्षमता। माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में इस गाने के जरिए टीएमसी माहौल बनाना चाहती है।

मुंबई में लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग ओवरडोज से 2 छात्रों की मौत, एक युवती की हालत गंभीर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के पश्चिमी उपनगर गोरेगांव में आयोजित एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान ड्रग्स के ओवरडोज से दो लोगों की मौत का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मृतकों में एक युवक और एक युवती शामिल हैं, जो दोनों उच्च शिक्षित एमबीए छात्र बताए जा रहे हैं। जबकि एक युवती की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि मृतक दक्षिण मुंबई के एक प्रतिष्ठित मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। दोनों अपने 15 दोस्तों के समूह के साथ कॉन्सर्ट में शामिल हुए थे। जांच में सामने आया है कि दोनों छात्रों ने कॉन्सर्ट से पहले और उसके दौरान एक्स्टेसी टैबलेट्स का सेवन किया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल को गोरेगांव इलाके में नेस्को एक्ज़ीबिशन सेंटर में आयोजित एक लेट-नाइट टेक्नो म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान यह घटना हुई। वहां एक बड़े स्तर पर लाइव कॉन्सर्ट आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 3 से 4 हजार युवक-युवतियां शामिल हुए थे। संगीत और पार्टी के माहौल में शराब के साथ-साथ ड्रग्स के इस्तेमाल की भी जानकारी सामने आई है। कार्यक्रम के दौरान कुछ युवाओं ने कथित तौर पर अधिक मात्रा में ड्रग्स का सेवन कर लिया, जिससे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। दो युवतियों को तुरंत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक युवक को लाइफ लाइन अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान लाइफ लाइन अस्पताल में भर्ती युवक की मौत हो गई। वहीं ट्रॉमा केयर अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद दोनों युवतियों को आगे के इलाज के लिए निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां सोमवार दोपहर एक युवती ने दम तोड़ दिया। दूसरी युवती की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। इस मामले में वनराई पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने लापरवाही और सदोष मनुष्यवध का मामला दर्ज करते हुए आयोजक सनी जैन, अन्य इवेंट आयोजकों और मृत छात्रों के दो मित्र को आरोपी बनाया है। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के खून के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि किस प्रकार के ड्रग्स का सेवन किया गया था।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा कतार लांघ गई अभिनेत्री करीना, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि मुंबई एयरपोर्ट का एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में करीना कपूर सुरक्षा जांच (सिक्योरिटी चेक) के दौरान लंबी कतार को छोड़कर सीधे सिक्योरिटी गेट की ओर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर सेलिब्रिटी प्रिविलेज यानी मशहूर हस्तियों को मिलने वाले विशेषाधिकारों को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है।

वीडियो वायरल होते ही माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई उपयोगकर्ताओं ने करीना के इस व्यवहार पर नाराजगी जताई और इसे आम नागरिकों के साथ नाइंसाफी करार दिया। एक यूजर ने पोस्ट करते हुए लिखा कि करीना कपूर ने कतार तोड़कर सीधे गेट पर पहुंचकर नियमों का उल्लंघन किया है। यूजर ने सवाल उठाया कि सेलिब्रिटी को यह विशेषाधिकार किसने दिया, जबकि अन्य यात्रियों की उड़ानें भी उतनी ही जरूरी होती हैं। कुछ लोगों ने इसे अहंकार बताया और सरकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए।

हालांकि, बहस के बीच कई लोग करीना कपूर के बचाव में भी उतरे। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने स्पष्ट किया कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पेड वीआईपी सर्विस (सशुल्क वीआईपी सेवा) उपलब्ध होती है। इस सेवा के तहत कोई भी यात्री एक निश्चित शुल्क (जैसे 6,000 रुपये) देकर एक्सप्रेस सुरक्षा जांच और त्वरित क्लियरेंस की सुविधा प्राप्त कर सकता है। समर्थकों का तर्क है कि यह कोई फ्री कल्चर नहीं बल्कि एक वैध व्यवसायिक सेवा है, जिसे करीना ने संभवतः खरीदा होगा। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि जब राजनेताओं या क्रिकेटरों को ऐसी सुविधाएं मिलती हैं, तब कोई विरोध नहीं होता, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में समानता की बात उठाना गलत है।

इस विवाद ने देश में कतार संस्कृति और सेलिब्रिटी सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ समर्थकों का मानना है कि सेलिब्रिटी अक्सर भीड़ और सुरक्षा कारणों से आम कतारों से बचते हैं। फिलहाल इस पूरे विवाद पर करीना कपूर खान की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह घटना एक बार फिर भारत में सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाली विशेष सुविधाओं और आम जनता की उनके प्रति धारणा के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है।

महिला आरक्षण विधेयक: कांग्रेस ने जारी किया निर्देश, सभी रहें विशेष सत्र में उपस्थित

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण विधेयक में परिसीमन समेत अन्य सियासी मसाला लपेटने की कोशिश अगर चुनावी बेला में सरकार की तरफ से की जाएगी तो विपक्ष अपनी लामबंदी से घेरने को तैयार है। इसको ध्यान में रखते कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा में अपने सभी सांसदों के लिए तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। इस व्हिप के तहत पार्टी के सभी लोकसभा सदस्य 16, 17 और 18 अप्रैल (गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार) को सदन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और पार्टी के रुख के अनुसार मतदान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण विधेयक राज्यसभा से यूपीए सरकार के समय ही पारित हो गया था। लोकसभा में साथी दलों समेत अन्य दलों के विरोध के चलते पारित नहीं कराया जा सका था। राजद, सपा, जदयू समेत विरोध करने वाले दलों के नेता महिला आरक्षण में एससी, एसटी, ओबीसी महिलाओं के आरक्षण की मांग को लेकर बेहद मुखर थे। अब विधेयक का प्रारूप क्या होगा, विपक्षी दलों की रणनीति उसी आधार पर फ्लोर टेस्ट में बदलेगी।

कांग्रेस संसदीय दल के चीफ व्हिप से जारी निर्देश में स्पष्ट कहा गया है कि इन तीन दिनों के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में महिला आरक्षण समेत कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा और मतदान प्रस्तावित है। ऐसे में सभी सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करना पार्टी के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्हिप में सांसदों को सुबह 11:00 बजे से सदन की कार्यवाही शुरू होने से लेकर स्थगन तक मौजूद रहने के लिए कहा गया है। पार्टी नेतृत्व ने अपने निर्देश में यह भी रेखांकित किया है कि किसी भी परिस्थिति में अनुपस्थित रहने की अनुमति नहीं होगी और सभी सांसदों को बिना किसी चूक के पार्टी लाइन का समर्थन करना होगा। इस निर्देश को अत्यंत महत्वपूर्ण श्रेणी में रखा गया है, जो इसकी गंभीरता को दर्शाता है। इस घटनाक्रम के बाद लोकसभा की आगामी कार्यवाही पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं, जहां महिला विधेयक और प्रस्तावों पर तीखी बहस और निर्णायक मतदान होने की संभावना है।

क्या होता है तीन लाइन का व्हिप?

तीन लाइन का व्हिप संसद में जारी होने वाला सबसे सख्त निर्देश माना जाता है। इसके तहत संबंधित पार्टी के सांसदों के लिए सदन में उपस्थित रहना और पार्टी के निर्देशानुसार मतदान करना अनिवार्य होता है। यदि कोई सांसद इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें सदस्यता समाप्ति तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि तीन लाइन व्हिप का जारी होना इस बात का संकेत है कि सदन में होने वाले मतदान बेहद अहम हैं और सरकार तथा विपक्ष दोनों के लिए राजनीतिक रूप से निर्णायक साबित हो सकते हैं। ऐसे में पार्टी अपने सांसदों की पूर्ण उपस्थिति और एकजुटता सुनिश्चित करना चाहती है।

कल्याण में भीषण सड़क हादसा : डंपर और कार की सीधी भिड़ंत में मरने वालों की संख्या हुई 11

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण इलाके में सोमवार को हुए एक हृदयविदारक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अस्पताल में उपचार के दौरान दो और घायलों द्वारा दम तोड़ने के बाद प्रशासन ने इस आंकड़े की पुष्टि की। यह भीषण दुर्घटना कल्याण-मुरबाड मार्ग पर रायता पुल के पास सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार कार और मिक्सर डंपर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कार कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही थी, जिसमें क्षमता से अधिक कुल 12 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान तीन अन्य लोगों ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का कुल आंकड़ा 11 पहुंच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 61 पर हुआ यह हादसा बेहद दुखद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और घायलों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार में एआई का इस्तेमाल, डिजिटल अवतार में वोट मांग रहे विजय

-चुनाव आयोग ने चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों शोरों से जारी है। इस बीच चुनाव प्रचार में एक उम्मीदवार ने एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। दरअसल कुंभकोणम में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक उम्मीदवार ने होलोग्राफिक एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, चुनावी रैलियों में पार्टी अध्यक्ष विजय की असली जैसी बड़ी और जीवंत छवि दिखाई, जिससे कई कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी की भरपाई हो जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, और विजय कई चुनावी कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवार मतदाताओं का जुड़ाव बनाए रखने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच टीवीके के तंजावुर पूर्वी जिले के सचिव और कुंभकोणम से चुनाव लड़ रहे 32 साल के विनोद रवि ने इस एआई टेक्नोलॉजी हैक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम उन्होंने कामा टेक्नोलॉजीज से लिया है, जिसका रोजाना का किराया 50,000 रुपए है। रवि ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुझे चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इससे मुझे बहुत ज्यादा जोश और आत्मविश्वास महसूस होता है, मानो हमारे थलापति मेरे ठीक बगल में खड़े होकर सीधे लोगों से बात कर रहे हों।

बता दें चुनावी वाहन पर लगा यह सिस्टम दृष्टि की निरंतरता के सिद्धांत पर आधारित होलोग्राफिक प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है। इसमें एक प्रोजेक्शन फैन डिस्प्ले, तेज रफ्तार वाली मोटरें और एक सिंक्रोनाइज्ड ऑडियो सिस्टम लगा है, जिसे वाहन का जेनरेटर बिजली देता है।

यह सेटअप विजय की सिर से लेकर पैर तक की एक बहुत ही असली जैसी 3डी छवि बनाता है। इसे देखकर लगता है कि वे वाहन की छत से बाहर खड़े होकर लोगों की भीड़ को सीधे संबोधित कर रहे हैं। यह सिस्टम विजय के पुराने भाषणों की ऑडियो के साथ सिंक्रोनाइज्ड होता है, जिससे लगता है कि वे चुनावी वाहन से सीधे भाषण दे रहे हैं।

नोएडा हिंसा विकास को बाधित करने की साजिश, इसमें हो सकता है पाक कनेक्शन : राजभर

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को नोएडा में हुई श्रमिक हिंसा को राज्य के विकास को बाधित करने की एक सुनियोजित साजिश बताया है। यह बवाल वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुआ था, जहां आगजनी और पथराव से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा गया। हाल ही में मेरठ और नोएडा से पकड़े गए चार संदिग्ध आतंकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण एजेंसियां अब इस हिंसा में बाहरी ताकतों की भूमिका की जांच कर रही है। सीएम के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर बातचीत के जरिए स्थिति को सामान्य बनाने और मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने में जुटे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि यह घटना महज एक विरोध प्रदर्शन नहीं है। हाल के दिनों में मेरठ और नोएडा से चार संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है, जिनके हैंडलर पाकिस्तान में बैठे थे। इस पृष्ठभूमि में राज्य में अस्थिरता पैदा करने की साजिश की आशंका को बल मिलता है। मंत्री ने अंदेशा जताया कि इस अशांति का मकसद मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बाधा डालना भी हो सकता था।

बता दें वेतन वृद्धि की मांग कर रहे फैक्ट्री मजदूरों का प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया था। नोएडा के फेज-2, सेक्टर 60, 62 और 84 में उपद्रवियों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की। पत्थरबाजी की घटनाओं के कारण प्रमुख रास्तों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राजभर ने स्पष्ट किया कि अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं और सरकार मजदूरों की हर जायज बात सुनने को तैयार है। मंत्री ने श्रमिकों से किसी भी तरह के बहकावे या उकसावे में न आने की अपील की है।

होर्मुज संकट के बीच चीन ने श्रीलंका को दिया दगा, भारत ने की आपातकालीन मदद

-भारत को पीएलसी में 51फीसदी नियंत्रक की हिस्सेदारी देकर अहसान चुका रहा श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज संकट में जब चीन ने ईरान के साथ दोस्ती का ढोंग रचा और श्रीलंका से दगा किया तब भारत ने श्रीलंका का हाथ थाम लिया। ईंधन की कमी, आर्थिक दबाव और ऊर्जा संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत ने आपातकालीन मदद पहुंचाई। अब श्रीलंका इस अहसान का बदला चुकाने जा रहा है। भारत की प्रमुख रक्षा शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा एमडीएल का पहली अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है, जिसकी कीमत 26.8 मिलियन डॉलर यानी करीब 249.5 करोड़ रुपए है। मुंबई स्थित इस डिफेंस पीएसयू ने 9 अप्रैल को जारी बयान में कहा था कि इस डील से श्रीलंका का सबसे बड़ा शिपयार्ड अब उसके परिचालन नियंत्रण में आ गया है। यह सौदा जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड से शेयर खरीदकर पूरा हुआ है। यह अधिग्रहण सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि जियो पॉलिटिक्स के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

चीन श्रीलंका में हम्बनटोटा बंदरगाह पर 99 साल का पट्टा ले चुका है और कोलंबो में नियमित रूप से अपने नौसैनिक जहाज खड़े कर रहा है। भारतीय हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती पैठ को देखते हुए दिल्ली इस अधिग्रहण को अपने समुद्री विस्तार रणनीति का हिस्सा बता रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (रिटायर्ड) कैप्टन जगमोहन ने कहा कि एमडीएल द्वारा सीडीपीएलसी का अधिग्रहण हमारे दोनों संगठनों के लिए ही नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग के लिए मील का पत्थर है।

ईरान की अमेरिका-इजराइल से जंग के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। श्रीलंका जैसे छोटे देश ईंधन संकट, महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझ रहे थे, जबकि चीन ने ईरान के साथ संबंधों का दावा किया, लेकिन व्यावहारिक रूप से श्रीलंका को तत्काल राहत नहीं दी। इसके उलट भारत ने श्रीलंका को डीजल और अन्य ईंधन की इमर्जेंसी सप्लाई की। पड़ोसी पहले सिद्धांत के तहत नई दिल्ली ने श्रीलंका का साथ दिया, जिससे कोलंबो में आर्थिक स्थिरता बनी रही। अब यह अधिग्रहण उस सहायता का प्रत्युत्तर माना जा रहा है।

यह डील भारत की समुद्री अमृत काल विज़न 2047 के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने का लक्ष्य है। एमडीएल जैसी कंपनियां अब विदेशों में पैर पसार रही हैं, जिससे भारतीय जहाज निर्माण और रिपेयर क्षमता बढ़ेगी। विश्लेषकों का मानना है कि मुख्य शिपिंग रूट्स पर कोलंबो डॉकयार्ड की रणनीतिक स्थिति भारत को हिंद महासागर में मजबूत पकड़ देगी और चीन की 'स्ट्रिंग ऑफपर्ल्स' रणनीति को प्रभावी चुनौती मिलेगी। श्रीलंका के लिए भी यह फायदेमंद साबित होगा।

नियमित कॉलोनियों में खाली-बड़े भूखंडों पर नहीं हो सकेगा निर्माण, इनके लिए एमसीडी बनाएगी अलग योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की ओर से 1511 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने के फैसले के बाद इन इलाकों में खाली पड़े बड़े भूखंडों को लेकर भी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश सामने आए हैं। तय किया गया है कि इन खाली भूखंडों पर फिलहाल किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकेगा। इसके साथ ही एमसीडी इन भूखंडों के उपयोग को लेकर अलग योजना तैयार करेगी। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कॉलोनियों के नियमितीकरण की घोषणा के दौरान स्पष्ट किया था कि खाली जमीनों का उपयोग नियंत्रित तरीके से किया जाएगा ताकि अव्यवस्थित निर्माण को रोका जा सके। इसी दिशा में अब एमसीडी ने भी इन भूखंडों को लेकर रणनीति बनानी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इन खाली प्लॉट्स को अवैध निर्माण से बचाने के लिए निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाई जाएगी। इसके बजाय, एमसीडी इन जमीनों को स्थानीय निवासियों के हित में उपयोग करने की सिफारिश करेगी। इसमें पार्क, खेल मैदान, पार्किंग स्थल, सामुदायिक केंद्र, स्कूल एवं अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का विकास शामिल है। एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, इन कॉलोनियों में पहले से ही बुनियादी सुविधाओं की कमी है। ऐसे में खाली भूखंडों का उपयोग योजनाबद्ध तरीके से किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को फायदा मिल सके। उन्होंने बताया कि इन प्लॉट्स को अधिग्रहित करने या सार्वजनिक उपयोग के लिए चिन्हित करने का प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय अनियंत्रित शहरीकरण को रोकने में मददगार साबित करेगा। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि जिनके पास खाली भूखंड हैं, उन्हें इस फैसले से आर्थिक नुकसान हो सकता है। इस पर अधिकारियों का कहना है कि सरकार की प्राथमिकता सामूहिक हित को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाना है। एमसीडी अब इन भूखंडों की पहचान, मैपिंग और उपयोग को लेकर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके बाद संबंधित विभागों और दिल्ली सरकार के साथ समन्वय कर अंतिम योजना बनाई जाएगी। इस तरह 1511 कॉलोनियों के नियमितीकरण के साथ-साथ खाली भूखंडों को लेकर लिया गया यह फैसला राजधानी के शहरी विकास को अधिक संतुलित और योजनाबद्ध बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे न केवल अवैध निर्माण पर रोक लगेगी, बल्कि लोगों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

स्वर्गीय श्री गंगा सहाय बैरवा की 16वीं पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। स्थानीय में समाज सेवा और मानवीय मूल्यों के लिए समर्पित रहे स्वर्गीय श्री गंगा सहाय बैरवा की 16वीं पुण्य तिथि के अवसर पर स्थानीय शादीपुरा पुलिस चौकी मानकपुरा, करोल बाग में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठ नेता पूर्व अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश एवं सांसद जयप्रकाश अग्रवाल और क्षेत्र के पूर्व निगम पार्षद जिला, करोल बाग ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नितिनकुमार एवं समस्त कांग्रेस परिजनों तथा ब ?ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सांसद जयप्रकाश अग्रवाल ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वर्गीय श्री गंगा सहाय बैरवा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिन्होंने अपने जीवन को समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने हमेशा गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोगों की मदद को प्राथमिकता दी। उनके जीवन का मूल उद्देश्य समाज में समानता, भाईचारा और सहयोग की भावना को ब ?ावा देना था। वक्ताओं ने बताया कि स्वर्गीय श्री बैरवा ने शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने हमेशा युवाओं को शिक्षा के महत्व को समझाने और उन्हें आगे ब ?ने के लिए प्रेरित किया। उनके प्रयासों के कारण कई जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हुआ। समाज के विकास में उनकी यह भूमिका हमेशा याद रखी जाएगी। नितिन कुमार ने कहा कि वे एक सरल, सहज और विनम्र

स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके व्यवहार में हमेशा अपनापन झलकता था, जिससे हर व्यक्ति उनसे जु ?ाव महसूस करता था। उन्होंने कभी भी अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए कार्य किया और यही उनकी सबसे ब ?ी पहचान बनी। वही पर बैठे कांग्रेस के पूराने कार्यकर्ता आपस में बाते कर रहे थे कि वैरवा जी में कार्यकताओं को एकजुट करने कि बहुत बड़ी कला थी सबको बराबर सम्मान देते थे उनके कार्यालय के दरवाजे 24 घन्टे खुले रहते थे करोलबाग ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नितिन कुमार ने आने वाले सभी अतिथि एवं कार्यकर्ताओं का पटका पहनाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में फ्री मेडिकल कैम्प भी लगाया गया। कार्यक्रम के शुरूआत में भंडारे का आयोजन चल रहा था, जिसमें ब ?ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन स्वर्गीय श्री गंगा सहाय बैरवा की स्मृति में हर वर्ष किया जाता है, जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल होते हैं। इस प्रकार के आयोजन न केवल दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने का माध्यम होते हैं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। अंत में आयोजकों ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और कहा कि स्वर्गीय श्री गंगा सहाय बैरवा के आदर्शों को अपनाकर ही हम उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि वे समाज सेवा के कार्यों में ब ?-च ?कर हिस्सा लें और जरूरतमंदों की सहायता करें। इस प्रकार, स्वर्गीय श्री गंगा सहाय बैरवा की 16वीं पुण्य तिथि का आयोजन श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के साथ संपन्न हुआ। उनकी स्मृतियां और उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे और आने वाली पीढियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

जुलाई से दलित महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये, अन्य वर्गों की महिलाओं को 1,000 रुपये मिलेंगे: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा, अगर इसमें समय लग रहा है तो भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे प्रमाण पत्र के बिना भी इस योजना के तहत पंजीकरण कर सकते हैं और 1000 रुपये मासिक प्राप्त करना शुरू कर सकते हैं। जब भी उनका प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, राज्य सरकार उन्हें जुलाई से 500 रुपये प्रति माह के बकाए का भुगतान करेगी। इस संबंध में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए जमीनी स्तर पर एक पहुंच विधि की घोषणा की। उन्होंने कहा, 18 साल से अधिक उम्र की सभी महिलाओं की 100 प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने और पंजीकरण प्रक्रिया में उनकी मदद करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर के हर गांव और वार्ड में महिला सतिकार सखियों को तैनात किया जाएगा। महिला सतिकार सखियों की भूमिका के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, महिला सतिकार सखियां लाभार्थियों के घर जाएंगी और उन्हें योजना के लाभों के बारे में बताएंगी, उनके सभी संदेह दूर करेंगी और पंजीकरण फॉर्म देंगी। वे लाभार्थियों को पूरी पंजीकरण प्रक्रिया के साथ-साथ आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी देंगी और उनके सभी सवालों और समस्याओं का समाधान करेंगी। उन्होंने आगे कहा, अगर लाभार्थी के पास वोटर आईडी या बैंक खाते जैसा कोई दस्तावेज नहीं है, तो ये सखियां उन्हें ये दस्तावेज बनाने में मदद करेंगी। महिला सतिकार सखी उनका हर कदम पर मार्गदर्शन करेंगी। पहुंच में आसानी के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, एक बार जब वे अपना पंजीकरण फॉर्म भर लेते हैं और सभी आवश्यक दस्तावेज तैयार हो जाते हैं, तो वे अपने नजदीकी पंजीकरण केंद्र पर जा सकते हैं और वहां फॉर्म जमा करवा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने व्यापक बुनियादी ढांचा सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि महिलाओं को पंजीकरण में कोई कठिनाई न हो, पंजाब सरकार द्वारा 26,000 से अधिक स्थानों पर पंजीकरण की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिसमें सभी आंगनवाड़ी केंद्र, सभी सेवा केंद्र और शहरी क्षेत्रों में सभी नगर निगम/समिति कार्यालय शामिल हैं। इस योजना के लाभों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह योजना हर वर्ग की महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपये और अनुसूचित जाति की महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपये का नकद लाभ सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह योजना महिलाओं को स्वतंत्र और सशक्त बनाकर उनके विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगी। व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को उजागर करते हुए उन्होंने कहा, यह महिलाओं को विकल्प देगी और वित्तीय साक्षरता से जोड़ते हुए बचत, किफायतीपन और निवेश को प्रोत्साहित करेगी और उन्हें छोटी इच्छाओं को पूरा करने में सक्षम बनाएगी। मौजूदा अंतराल को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा, पंजाब ने पहले ही सामाजिक कल्याण और मानव विकास संकेतकों में काफी प्रगति की है। हालांकि, राज्य भर में बड़ी संख्या में महिलाओं, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर घरों के लिए स्वतंत्र वित्तीय सुरक्षा की कमी है। आर्थिक आत्मनिर्भरता के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, घरेलू भलाई को बेहतर बनाने, लिंग समानता को बढ़ावा देने और सामाजिक व आर्थिक फैसला लेने में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए महिलाओं की वित्तीय आत्मनिर्भरता को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने इस पहल के पैमाने पर और जोर देते हुए कहा, इस योजना के तहत महिलाओं के एक सीमित वर्ग को छोड़कर लगभग उन सभी महिलाओं को कवर किया जाएगा, जो 18 साल और उससे अधिक उम्र की हैं। इसलिए इस योजना से 97 फीसद से अधिक महिलाओं को लाभ होने की उम्मीद है, जो इसे देश में सबसे व्यापक महिला-पक्षधर सामाजिक सुरक्षा पहलों में से एक बनाती है। इसे एक परिवर्तनकारी हस्तक्षेप बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह योजना राज्य भर में महिलाओं को सीधी आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम दर्शाती है और सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाती है कि महिलाओं के सशक्तिकरण को ठोस वित्तीय आजादी में बदलना चाहिए। पात्रता स्पष्ट करते हुए उन्होंने आगे कहा, 18 साल या उससे अधिक उम्र की हर महिला, जो राज्य में वोटर के रूप में पंजीकृत है और जिसके पास पंजाब की रिहायशी को दर्शाने वाला एक प्रमाणिक आधार कार्ड है और भारत चुनाव आयोग द्वारा जारी किया गया पंजाब का एक प्रमाणिक वोटर आईडी है, वह इस योजना के तहत लाभार्थी के रूप में रजिस्टर होने की योग्य होगी। वित्तीय प्रतिबद्धता पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 9300 करोड़ रुपये की राशि पहले ही मंजूर की जा चुकी है और योजना के पैमाने और पहुंच को देखते हुए यह पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई सबसे बड़ी महिला-केंद्रित समाज कल्याण पहलों में से एक बनने की उम्मीद है। इस पहल के पीछे की प्रेरणा को दोहराते हुए उन्होंने निष्कर्ष निकाला, यह बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि है, जो महिलाओं को सशक्त बनाकर और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बनाकर उनके विकास के समर्थक थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने तीन लाभार्थियों ङ्क हरबंस कौर, दीक्षा और सिमरन ङ्क को रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट सौंपे। लाभार्थियों ने इस पहल का स्वागत किया और कहा कि यह उनकी वित्तीय आजादी को काफी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, यह अहम पहल हमारे विकास में विशेष भूमिका निभाएगी और पहली बार किसी राज्य सरकार और मुख्यमंत्री ने हमारे बारे में सोचा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, हरपाल सिंह चीमा, डॉ. बलजीत कौर, हरभजन सिंह ईटीओ और मोहिंदर भगत, वरिष्ठ 'आप' नेता मनीष सिसोदिया, लोकसभा सदस्य डॉ. राजकुमार चब्बेवाल, चेयरमैन पंजाब राज्य सहकारी कृषि विकास बैंक पवन कुमार टीनू और अन्य शामिल थे।

छात्रा को बेरहमी से पीटा, मासूम चीखों से भी न पसीजा दिल; सिर के बाल तक उखाड़ लिए

एटा। एटा के जैथरा विकास खंड के ग्राम नगला बली स्थित एसपीएस पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत एक सात वर्षीय छात्रा को शिक्षक ने बेरहमी से पीटा। हैवान बने शिक्षक के छात्रा के बालों को उखाड़ लिया। इस छात्रा की गलती सिर्फ इतनी थी कि वो स्कूल पांच मिनट देरी से पहुंची थी। घटना की जानकारी मिलन ने के बाद छात्रा के परिजन स्कूल पहुंच गए। छात्रा की मां की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। छात्रा नित्या लंच ब्रेक के दौरान खाना खाने घर गई थी। समय से पांच मिनट विलंब से विद्यालय लौटने पर शिक्षक संतोष का गुस्सा भड़क उठा। आरोप है कि शिक्षक ने छात्रा को क्रूरतापूर्ण ढंग से डंडे से पीटा। इतना ही नहीं शिक्षक ने छात्रा के सिर से बाल भी खींच लिए। मासूम छात्रा की चीखें विद्यालय की दीवारों से टकराती रहीं, लेकिन शिक्षक का दिल नहीं पसीजा। इस अमानवीय कृत्य को देखकर अन्य छात्र-छात्राएं भी सहम गए। शिक्षक संतोष के कहर से डरी सहमी नित्या ने रात में अपने परिजनों को घटना के बारे में बताने में भी काफी समय लिया। आखिरकार डरते-डरते उसने अपनी मां सरोज को आपबीती सुनाई। घटना की जानकारी मिलते ही पीडि़त छात्रा की मां, सरोज पत्नी अमरदीप, निवासी माया ने तुरंत कोतवाली में शिक्षक संतोष के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। इस घटना ने आम लोगों को झकझोर दिया है। उनका कहना है कि सरकार बेटियों को पढ़ाने और सुरक्षित रखने के लिए अथक प्रयास कर रही है, लेकिन ऐसे शिक्षक बेटियों की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा हैं। लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है और वे ऐसे विद्यालयों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। स्थानीय निवासी विजय गोस्वामी ने इस घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे विद्यालयों की मान्यता तत्काल समाप्त की जानी चाहिए और उन्हें सील कर देना चाहिए।

दिल्ली में सभी जल टैंकरों पर जीपीएस अनिवार्य, एनजीटी ने इसलिए जारी किया सख्त आदेश

नई दिल्ली। राजधानी में अवैध भूजल दोहन रोकने के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने स्पष्ट कर दिया है कि अब सभी वाणिज्यिक जल टैंकरों में जीपीएस लगाना अनिवार्य होगा। इस आदेश के दायरे में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से मिलने वाला पानी ले जाने वाले टैंकर भी शामिल होंगे। यह आदेश एक मामले की सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें दिल्ली में भूजल के अवैध उपयोग और उसके कारोबार पर चिंता जताई गई थी। इससे पहले भी एनजीटी ने 28 मई 2025 को आदेश जारी कर कहा था कि केवल जीपीएस लगे टैंकरों से ही पानी की सप्लाई की जाए ताकि उनकी निगरानी की जा सके और अवैध गतिविधियों पर रोक लगे। सुनवाई के दौरान कुछ पक्षों ने मांग की थी कि एसटीपी से साफ किए गए पानी को इस नियम से बाहर रखा जाए और उन पर कार्रवाई न की जाए। उनका तर्क था कि यह पानी भूजल नहीं है और पर्यावरण के लिए उपयोगी है। अधिकरण ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। एनजीटी ने साफ कहा कि भले ही एसटीपी का पानी भूजल से अलग है और उसका इस्तेमाल अच्छा है लेकिन निगरानी के लिहाज से सभी टैंकरों पर एक ही नियम लागू होगा। यानी अब कोई भी टैंकर, चाहे वह भूजल ले जा रहा हो या एसटीपी का पानी, बिना जीपीएस के नहीं चल सकेगा। अधिकरण ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। इसमें पाया गया कि टैंकरों से जुड़े रिकॉर्ड ठीक से नहीं रखे जा रहे हैं और कई बार चालक जरूरी दस्तावेज साथ नहीं रखते। इसे ध्यान में रखते हुए अधिकरण ने निर्देश दिया है कि डीजेबी हर टैंकर के लिए गेट पास और ट्रांजिट पास जारी करे और उनका रिकॉर्ड रखे। टैंकर चालकों को सभी जरूरी कागजात अपने पास रखने होंगे। एनजीटी ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Kasak tomar is the owner and in possession of a Freehold Residential Flat on First Floor without roof rights area 100 Sq. Yds, Khasra no. 1577, colony Kailashpuram Village Raispur Pargana Dasna Tehsil & Distt. Ghaziabad U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Gift deed dated 13.03.2026, Vide Doc no. 2999, book no.1, Vol No. 23476, Pg No. 257-286 on 13.03.2026, SR II Ghaziabad. Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mr. Vishal & Mr. Manoj Kumar Saxena the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Gurugram Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती त्रिसी सिंह, पत्नी श्री नवनीत सुमन, प्लॉट नंबर 70 के एक भाग, जिसका क्षेत्रफल 47.3 वर्ग गज है (कुल क्षेत्रफल 233 वर्ग गज में से), जो कि खसरा नंबर 257 में स्थित है, ग्राम नवादा, भगवती गार्डन एक्सटेंशन, उत्तम नगर, नई दिल्ली में स्थित संपत्ति को श्री सोमनाथ से खरीदना चाहती हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री रण सिंह थे, जिन्होंने दिनांक 21.04.1987 को नोटरीकृत GPA, एग्रीमेंट टू सेल (ATS) एवं वसीयत के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री बलजीत सिंह को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्री बलजीत ने दिनांक 19.01.2011 को उक्त संपत्ति श्री महेश कुमार को नोटरीकृत GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित की गई। इसके बाद, श्री महेश कुमार ने दिनांक 25.11.2011 को उक्त संपत्ति श्री सोमनाथ को नोटरीकृत GPA, ATS एवं वसीयत के माध्यम से हस्तांतरित की। अतः, श्री सोमनाथ उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, ग्रहणाधिकार, शुल्क या अन्य किसी दावे से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana Ô¤ mæÚUæ çß□æÂôçàÎ (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, KM DIVASA BHARDWAJ W/O NIKHIL MAHESHWARI R/O FLAT NO 807 TOWER 2 AURIC CITY HOMES SECTOR 82, FARIDABAD,HR-121002 have changed my name to DIVASHA MAHESHWARI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NEELOFAR W/O MOHD YAQUB R/O C-156, GALI NO-1, BAJRANG BALI MOHALLA, MAUJPUR, DELHI-110053. have changed my name to NILOFAR JAHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Niyaz Mohd S/o Bundu Ali R/o D-382, Gali No.1, Khadda Colony, Jaitpur Extn. Part-2, Badarpur, Delhi-110044 have changed my name to Niyaz Ali.

NAME CHANGE

I, VEENA DEVI W/O ABHAY KUMAR TIWARI R/O T-573 /1A GALI NO 02 BALJEET NAGAR PATEL NAGAR NEW DELHI-110008 HAVE CHANGED MY NAME TO BEENA DEVI

NAME CHANGE

I, No-15424167H Rank-NK/WM Name-KHADE BALAJI SHANKAR residing at VILL-ROHANA, PO-ALAND, TEHSIL-DEULGAONRAJA, DISTT-BULDHANA, MAHARASHTRA-443206, have changed my father's name from SHANKAR to SHANKAR NARAYAN KHADE for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1955 instead of his correct date of birth as 01/01/1951 vide Affidavit dated 14/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15424167H Rank-NK/WM Name-KHADE BALAJI SHANKAR residing at VILL-ROHANA, PO-ALAND, TEHSIL-DEULGAONRAJA, DISTT-BULDHANA, MAHARASHTRA-443206, have changed my mother's name from SHOBHABAI to SHOBHA SHANKAR KHADE for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of her correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 14/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-15424167H Rank-NK/WM Name-KHADE BALAJI SHANKAR residing at VILL-ROHANA, PO-ALAND, TEHSIL-DEULGAONRAJA, DISTT-BULDHANA, MAHARASHTRA-443206 have changed my minor son's name from PANKAJ to PANKAJ BALAJI KHADE for all future purposes vide affidavit dated 14/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह सूचना दी जाती है कि श्री नौशाद अहमद पुत्र श्री सरीफ अहमद, ग्राउंड फ्लोर (आरएचएस फ्लेट), क्षेत्रफल 55 वर्ग गज, खसरा संख्या 5/2 में से प्लॉट संख्या 218 पर निर्मित, नवनीत विहार में और गाँव-खोड़ा, तहसील और जिला, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में, जीपीए दिनांक 23/10/2024, एटीएस और रजिस्टर्ड वसीयत संख्या 1185 के अनुसार, श्री मदन लाल विग पुत्र श्री बलदेव राज विग और श्री पुरुषोत्तम पुत्र स्वर्गीय महेंद्र प्रताप सिंह द्वारा निष्पादित, के संबंध में मालिक हैं और कहा कि संपत्ति मोहम्मद को बेची जानी है। जुबेर पुत्र श्री कलीम और इसे शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है, आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी के पास उक्त संपत्ति पर कोई भार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है तो कृपया वर्तमान तिथि से 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।,

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I, SUNIL KUMAR Son of Ch. HARVANSH SINGH presently residing at H No-1/34A, Sadar Bazar Delhi Cantt-110010, have changed my name from SUNIL KUMAR to SUNIL CHAUDHARY for all future purposes.

NAME CHANGE

I, NO- 3199796Y, Rank-HAV Name- BRAJMOHAN SINGH residing at VILL-BANA, PO-RAYA, TEHSIL-MAHAVAN, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281204, have changed my mother's name from KAMAL DEVI to KAMALA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 04/07/1953 instead of her correct date of birth as 01/01/1955 vide Affidavit dated 14/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ILLA DEVI mother of No-14665292P Rank-HAV Name-RAJEEV RANJAN residing at CHAKEYAJ (CHAK FAIZ), VAISHALI, BIHAR-844506, have changed my name from ILLA DEVI to ILA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 14/04/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, JANBED SINGH YADAV Father of No-15215036M Rank-SEP Name- RAJEEV SINGH YADAV Residing at VILL-JOSHI NAGAR, WARD No-35, DIST & TEH-BHIND, MADHYA PRADESH-477105, have changed my name from JANBED SINGH YADAV to JANVED SINGH YADAV for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 05/01/1968 vide Affidavit dated 14/04/2026 before Notary Public, Delhi

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SUHAGA DEVI mother of No-15215036M, Rank-SEP Name-RAJEEV SINGH YADAV Residing at VILL-JOSHI NAGAR, WARD No-35, DIST & TEH-BHIND, MADHYA PRADESH-477105, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1967 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 vide affidavit dated 14/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RENU YADAV wife of No-15723931P, Rank-HAV, Name-SANJEEV YADAV Residing at VILL-JOSHI NAGAR ETAWAH ROAD, DIST & TEH-BHIND, MADHYA PRADESH-477105, have changed my name from RENU YADAV to RENU for all future purposes vide Affidavit dated 14/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Seema alias Suman Devi D/O Chanderpal W/O Brijesh Kumar Mavi R/O Birondi Chakrasenpur , PO: Kasna , Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh -201310, have changed my name and shall hereafter be known as Seema

NAME CHANGE

I, Amin S/O Mohd Bahid R/O - Plot No-63A, Indra Garden Khoda Colony, Khoda , PO: Ghaziabad, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201309, have changed the name of my minor Son Md Nabeel aged 17 years and he shall hereafter be known as Nabeel Haider Rizvi

NAME CHANGE

I, SEEMA PARVEEN, D/o of Mr. MOHD. NAKI, R/o HOUSE NO.313/101-O, 2ND FLOOR, TULSI NAGAR, INDERLOK DELHI-110035, Declare that I am the biological mother of Master ABUZAR, aged 13 years. That I am a divorced woman. My marriage with MOHD SOHAIL was legally dissolved on dated 02-06-2013 by way of mutual divorce. Since the date of divorce, my child Master ABUZAR is living with me and is under my care and custody. I am the sole and legal guardian of my child and responsible for all decisions related to his upbringing, education, and welfare. The father of the child has no objection and is not involved in the upbringing and education of the child.

NAME CHANGE

It is for general information that I, FAIZAN ABBASI S/O SALEEM ABBASI R/O 108, AZEEM DAIRY, JAMIA NAGAR, OKHLA, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare that the name of my father has been wrongly written as SALIM ABBASI in my 10th and 12th class certificate, The actual name of my father is SALEEM ABBASI which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the general public that our client, Mr. Anurag Kumar S/o Late Mr. Ravindra, is the lawful owner of Freehold Residential Flat No. F.F.-1, situated on the Fourth Floor, constructed on Plot No. 225, measuring 100 Sq. Yards (83.61 Sq. Mtrs.), forming part of Khasra No. 402, located at Village Chipayana Buzurg (Across Railway Line), Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh. The ownership has been acquired by virtue of a Gift Deed dated 23.09.2025, duly registered as Document No. 47973, Volume No. 32584, Book No. 1, Pages 167-186, in the office of Sub-Registrar, Dadri. It is further stated that the original Sale Deed dated 25.06.2015, which was executed in favour of Mrs. Vidhya Devi W/o Mr. Jaidev Singh, bearing Document No. 13092, Volume No. 8444, Book No. 1, Pages 35-58, registered at Sub-Registrar, Dadri, has been lost/misplaced. In this regard, an online FIR has already been lodged Vide LAR No. 20260000287633 dated 27.03.2026, at Police Computer Centre Technical Services HQ, Lucknow, Uttar Pradesh. Our client hereby declares that no other person has any right, title, interest, or claim whatsoever in respect of the above-mentioned property. Any person having any claim or objection regarding the said property must inform the undersigned in writing within 07 days from the date of publication of this notice, failing which such claims shall be deemed to have been waived., It is also stated that the said property is proposed to be financed by Roha Housing Finance Pvt. Ltd., Branch Office at 2nd Floor, A-45, Block A, Sector 4, Noida, Uttar Pradesh - 201301.

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

Public Notice

It is for general information that I, Riya Sharma D/o Vikrant Sharma R/o Khasra No 1489/1, Gali No 07, Naveen Kunj, Loni Dehat, Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 declare that name of mine and my mother has been wrongly written as Riya and Seema in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my mother are Riya Sharma and Seema Sharma.

NAME CHANGE

I, SHRI NIWAS RATHORE, S/O RAM SINGH RATHORE,, aged 60, years, resident of A 15 Vikas Nagar Ext., Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059, declare

That my son MONU and his wife namely Vineeta Kumari, presently resident of House No. A-15, Second Floor, Gali No. 3, Vikas Nagar Ext, Uttam Nagar, D.K. Mohan Ganden, Sub. District-Dwarka, District West Delhi, Delhi 110059, have been continuenssly disobeying me and have caused me immense mental agony and harrassment.

That despite my repeated request and attempts to maintain Daily harmony my son MONU and his wife Vineeta Kumari have shown complete disregard for my feelings and welfare.That due to their persistent disobedient behavior and lack of respect, I am left with no choice but to formally disown them.That I hereby declare that I am severing all my relations with my MONU and his wife Vineeta Kumari with immediate effect.That I will not be responsible for any of their acts, deeds, debts, liabilities, or aty Segal consequences arising from their actions. That they shall have no claim, right, title, or interest in any of my properties, movable or immovable, present or future

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given by **Mrs. Harpreet Kaur** who is owner of House No. 2, Bairak No. 4, Ward No. 4, MPL No. 412/27 area measuring 33 sq. yds., situated in Gandhi Nagar Rohtak, under Municipal Corporation of Rohtak, Haryana (Property ID No. 136C865U969) vide Sale Deed dated 19.03.2021 which is registered as doc no. 11493, SR-Rohtak and will be taking financial assistance from **Aditya Birla Capital Limited.** That Original Sale Deed dated 10.08.1966 executed by Sh. Girdhari Lal in favour of Sh. Devi Dayal, as Vide Doc no. 1195 & Original Sale Deed dated 27/10/2003 executed by Smt. Suman Rani, Smt. Kusum Rani, Smt. Vijay Rani, Smt. Neelam rani in favour of Smt. Sarla Rani. In respect of land area measuring 33 sq. yds. as doc no. 4676 & Original Sale Deed dated 30/01/2006 executed by Smt. Sarla Rani in favour of Sh. Shyam Bihari. In respect of land area measuring 33 sq. yds. as doc no. 12331 & Original Sale Deed dated 19/10/2006 executed by Sh. Shyam Bihari in favour of Sh. Sanjay. In respect of land area measuring 33 sq. yds. as doc no. 6258 & Original Sale Deed dated 22/01/2010 executed by Sh. Sanjay in favour of Smt. Kamlesh Kumari. In respect of land area measuring 33 sq. yds. regd. as doc no. 11608, SR-Rohtak & Original Sale Deed dated 15/11/2010 executed by Smt. Kamlesh Kumari in favour of Smt. Sunita Arora in respect of land area measuring 33 sq. yds. regd. as doc no. 10253, SR-Rohtak are lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE

I Ravinder kumar s/o Partap Singh R/ o House No 220 Gali Kampuwali Kanjhawala Delhi 110081 have changed my name to Ravinder

NAME CHANGE

I, hitherto known as ANCHAL W/O Sachin Verma R/O Jain Colony , Agrawal Mandir, Tatiri, Tatiri (Rural) , Bagpat, Uttar Pradesh 250601 have changed my name and shall hereafter be known as USHA VERMA.

NAME CHANGE

I, hitherto known as DILSHAD son of MOHAMMAD BADRE ALAM KHAN residing at Jalpura, Kulesara PO: Kulesra DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306 have changed my name and shall hereafter be known as DILSHAD KHAN.

NAME CHANGE

I hitherto known as MONIKA alias SARA D/O SHAUKAT ALI R/O B-11/3, 3RD FLOOR, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW DELHI-110025, have changed my name and shall hereafter be known as SARA for all purpose in future.

NAME CHANGE

I Bhagwan Sharma S/o Lt. Sada Ram Sharma, R/o Khasra No. - 42/9/4, Badli, Near Bank Of Baroda, Delhi, DIST: North West Delhi, Delhi - 110042 have changed my name to Shri Bhagwan for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RUBIDA KHATOON W/O MOHAMMAD FAIZ residing at M-120 GALI NO-8 4TH FLOOR SHASTRI NAGAR DELHI 110052 have changed my name to RAUBADA KHATUN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, MHD SADIQ S/O ABDUL GAFFAR residing at A-13/98-B INDER LOK DELHI 110035 have changed my name to MOHD SADIQ for all future purpose.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Deekacha Singh W/O Ajay Pratap Singh, R/O 86 2ND FLOOR, POCKET-11, Near Virat Friend Hospital, SECTOR-22 ROHINI,VTC: Begumpur, PO: Begumpur, District: North West Delhi, State: Delhi, PIN Code: 110086,have changed my name and shall hereafter be known as Deeksha Singh.

NAME CHANGE

I hitherto known as Santosh Singh S/O Harishchandra Singh R/O Ground Floor, 22A, Block BG2, Paschim Apartment, Near Club Road Capital Mall, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi - 110063, have changed my name and shall hereafter be known as Santosh Kumar Singh.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Mohd Azan S/O Aijaz Khan And Afshan Siddiqui R/o H NO. P-233, 3RD Floor, Gali No.-2, Sailing Club Road, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025, declare that my mother name is wrongly mentioned Afshan Khan in my 10th and 12th class certificate, where as the correct name of my mother is Afshan Siddiqui and shall be used for all purpose in future.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में 'नारी शक्ति वंदन अभियान' बना महिला सशक्तिकरण का मजबूत आधार: आरती सिंह राव

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने 'नारी शक्ति वंदन अभियान' को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह अभियान महिलाओं के राजनीतिक, सामाजिक और मानसिक विकास का मजबूत आधार बनेगा। जारी बयान में उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं की गरिमा, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में बराबरी का भागीदार बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से विधायी संस्थाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करना इस सदी का एक ऐतिहासिक और दूरगामी सुधार है। इससे न केवल महिलाओं को राजनीति में प्रवेश के अधिक अवसर मिलेंगे, बल्कि जमीनी स्तर पर नेतृत्व की नई सोच और ऊर्जा भी देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज की महिला हर क्षेत्र चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, विज्ञान हो या प्रशासन में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही है।

बाबा साहब के विचारों आत्मसात करने की जरुरत है: डॉ. अरविंद शर्मा

सोनीपत। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने गोहाना के फव्वारा चौक स्थित प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ उनके विचार आत्मसात करने की जरुरत है। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि बाबा साहब का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षा के महत्व का प्रतीक रहा। उन्होंने कहा कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचा रही हैं। गरीबों के लिए आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं का लाभ व्यापक स्तर पर मिल रहा है, जिससे समावेशी विकास को बल मिला है। मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार सामाजिक समरसता और समान अवसर के सिद्धांत पर काम कर रही है। अनुसूचित जाति वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़ी अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। इन प्रयासों से समाज में समानता और अवसरों की पहुंच मजबूत हुई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बाबा साहब के दिखाए मार्ग पर चलते हुए भाईचारे और एकता को बढ़ावा दें तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं।

कार्यकर्ता ही भाजपा की असली ताकत : डॉ. कमल गुप्ता

हिसार। राज्य के पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने पार्टी पदाधिकारियों से आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक नए कार्यकर्ता जोड़कर पार्टी को और मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही किसी पार्टी या संगठन की असली ताकत होती है और भाजपा कार्यकर्ताओं ने इसे सिद्ध भी करके दिखाया है। डॉ. कमल गुप्ता गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत हिसार विधानसभा के अर्बन मंडल स्थित शिव कॉलोनी स्थित शिव शक्ति केन्द्र व अर्बन एस्टेट में यशोदा माता शक्ति केन्द्र पर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करहे थे। शिव कॉलोनी में कार्यक्रम के संयोजक हेमंत कुमार व हरिओम शर्मा सह संयोजक रहे। अर्बन एस्टेट में कार्यक्रम के संयोजक राकेश गुलाटी रहे। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए गांव चलो-बस्ती चलो अभियान चलाया गया है। इसमें पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता है और आए दिन नए कार्यकर्ता पार्टी से जुड़ रहे हैं। केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों की बदौलत ही जनता में पार्टी के प्रति रूझान पैदा हुआ है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम विकसित भारत की गारंटी है : रेखा शर्मा

चंडीगढ़। राष्ट्रीय स्तर के 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को गुरुग्राम कार्यालय में बड़ी स्क्रीन पर सुनने के बाद राज्य सभा सांसद एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन रेखा शर्मा ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम नारी शक्ति के सामर्थ्य का सम्मान है। रेखा शर्मा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारी सम्मान के प्रति दृढ़ संकल्प का परिणाम बताया। भाजपा जिला कार्यालय गुरुकमल में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने बड़ी स्क्रीन पर लाइव सुना। इस मौके पर प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ एवं गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी आदि नेता भी उनके साथ रहे। इसके बाद प्रेस को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम न केवल महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करेगा, बल्कि समाज में उनके सम्मान और अधिकारों को भी नई मजबूती देगा।

प्रदेश की सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में सुचारु चल रहा है खरीद कार्य : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में गेहूं खरीद का कार्य सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में सफलतापूर्वक बिना किसी रुकावट के निरंतर चल रहा है। इस दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आ रही है। किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद की जाएगी। इस वर्ष रबी खरीद 2026-27 के दौरान 12 अप्रैल तक लगभग 39.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है और लगभग 2.44 लाख किसानों का 30.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है, 10.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है और लगभग 188 करोड़ की राशि किसानों के बैंक खाते में सीधे तौर पर स्थानांतरित हो चुकी है। मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी पिपली अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अनाज मंडी के गेट पर गेट पास बनाने की प्रक्रिया को जाना, इसके बाद खरीद व्यवस्था को देखा और किसानों से बातचीत कर अनाज मंडी में गेहूं बेचने के दौरान आने वाली समस्याओं व दिक्कतों को जाना। गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से आरम्भ हो चुकी है। भारत सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। राज्य में गेहूं की खरीद के लिए 416 मंडियां एवं खरीद केंद्र के अलावा 264 अतिरिक्त खरीद स्थल भी खोले गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसमी बारिश के कारण प्रदेश के 4 जिलों फतेहाबाद, हिसार, सिरसा व कुरुक्षेत्र के कुछ गांवों में फसलों को नुकसान होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। उन्होंने स्वयं संबंधित जिलों के उपायुक्तों से बात कर स्थिति का पता लगाया और फसलों को हुए नुकसान एवं भरपाई के लिए कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा व फतेहाबाद के लिए पोर्टल खोला हुआ है। इनमें कुरुक्षेत्र के 6 गांव, फतेहाबाद जिले के 9 गांव, हिसार के 10 गांव तथा सिरसा के 2 गांव शामिल हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अपनी फसल के नुकसान एवं भरपाई के लिए 15 अप्रैल तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन करें।

अनिल विज ने अपने विभागों में जारी किए आदेश,बिना मंजूरी के नहीं होंगे तबादले

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने अपने अधीनस्थ तीनों विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि उनकी स्वीकृति के बगैर कोई भी तबादला नहीं किया जाएगा। विज ने अपने अधीन आने वाले तीन प्रमुख विभागों - परिवहन, बिजली और श्रम में अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादलों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, अब इन विभागों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला मंत्री की पूर्व सहमति के बिना नहीं किया जा सकेगा। इस संबंध में फाइल नोटिंग के माध्यम से स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि तबादलों से जुड़े सभी प्रस्ताव पहले मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं। बताया जाता है कि यह निर्णय विभागों में मनमाने तबादलों पर रोक लगाने और कार्यप्रणाली को अधिक अनुशासित बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। पिछले कुछ समय से तबादलों को लेकर उठ रहे सवालों और शिकायतों के बीच यह आदेश अहम माना जा रहा है। इस कदम से जहां एक ओर कर्मचारियों के बीच पारदर्शिता बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर विभागीय

कार्यों में स्थिरता भी आएगी। विज के इस आदेश के बाद तीनों विभागों में तबादलों की प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ना तय माना जा रहा है और आने वाले दिनों में इसके प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिल सकते हैं।

जिला उपायुक्त ने किया सीवन अनाज मंडी का दौरा, खरीद एवं उठान में तेजी लाने के दिए निर्देश

एजेंसी

कैथल। उपायुक्त अपराजिता ने सीवन अनाज मंडी का दौरा कर गेहूं खरीद, उठान व्यवस्था और गेट पास प्रणाली का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और मंडी में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहें। उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुसार खरीद सुनिश्चित करने तथा उठान प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने मंडी में पहुंचकर गेहूं की ढेरियों पर नमी मापक यंत्र से नमी की जांच करवाई। इसके साथ ही उन्होंने कांटे पर एक बैग का वजन भी चेक किया, ताकि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और किसानों को किसी प्रकार की अनियमितता का सामना न करना पड़े। उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।

डीसी ने मंडी में सुरक्षा प्रबंधों का भी जायजा लिया और कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने एंट्री गेट पास और आउट गेट पास प्रणाली की स्थिति की जानकारी लेते हुए कहा कि इस प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। आउट गेट पास काटने में सामने आ रही तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने उच्चाधिकारियों से बातचीत करने का आश्वासन दिया। डीसी ने गेहूं खरीद सीजन के मद्देनजर विभिन्न मंडियों में आ रही समस्याओं पर संज्ञान लिया है। उन्होंने सोलू माजरा गांव में साइलो से जुड़ी समस्या का समाधान करवाकर गेहूं खरीद प्रक्रिया को शुरू करवाया। इसके अलावा आउट गेट पास से संबंधित तकनीकी खामी को लेकर भी उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है।

हरियाणा के सात निकायों में दस मई को होगा मतदान : देवेंद्र कल्याण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के चुनाव आयुक्त देवेंद्र कल्याण ने प्रदेश के सात नगर निकायों में चुनाव का ऐलान कर दिया है। इन निकायों में आगामी दस मई को मतदान होगा। निकायों के अलावा पंचायती राज संस्थाओं के 528 रिक्त पदों पर भी चुनाव का ऐलान किया गया है। पंचकूला स्थित मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कल्याण ने बताया कि सोनीपत-पंचकूला, अंबाला नगर निगम, रेवाड़ी नगर परिषद, उकलाना, धारूहेड़ा व सांपला नगर पालिका में 10 मई को मतदान होगा।

13 मई को परिणाम घोषित होगा। आज चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही मतदान वाले क्षेत्रों में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब नोटा को अधिक वोट मिलने की सूरत में चुनाव रद्द नहीं होगा। हरियाणा के अंबाला, पंचकूला व सोनीपत नगर निगम,रेवाड़ी नगर परिषद नगर

पालिकाः सांपला (रोहतक), उकलाना (हिसार) व धारूहेड़ा (रेवाड़ी) में यह चुनाव होगा। यह वोटिंग ईवीएम से होगी लेकिन इसमें वीवीपैट का इस्तेमाल नहीं होगा। उन्होंने बताया कि केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देशानुसार इस बार बड़ा बदलाव यह किया गया है कि चुनाव ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों को अब केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा तय दरों के बराबर मानदेय मिलेगा।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के बारे में चुनाव आयुक्त ने बताया कि पानीपत और करनाल जिला परिषद के एक-एक वार्ड, 12 ब्लॉक समिति सदस्यों, 29 सरपंच, 485 पंच पदों के लिए वोटिंग भी 10 मई को होगी। उसी दिन वोटों की गिनती करके नतीजे घोषित हो जाएंगे।

जिन कर्मचारियों की ड्यूटी चुनाव में लगी है, उनके तबादलों पर रोक लगा दी गई है। इसके लिए प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखा गया है।

चुनाव का कार्यक्रम

चुनाव अधिसूचना 15 अप्रैल
नामांकन प्रक्रिया 21 से 25 अप्रैल
नामांकन पत्रों की जांच 27 अप्रैल
नाम वापसी 28 अप्रैल
मतदान 10 मई सुबह 8 बजे से छह बजे तक
पुर्नमतदान 12 मई
चुनाव परिणाम 13 मई

मॉनसून में जलभराव रोकने को 15 जून से पहले हों सभी प्रबंधः राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। उद्योग एवं वाणिज्यिक मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सभी तैयारियां 15 जून से पहले पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि तय समयसीमा के भीतर सभी विभाग आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करें, ताकि बारिश के मौसम में शहरवासियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंत्री ने यह भी बताया कि 15 जून के आसपास दोबारा समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें तैयारियों की प्रगति का आकलन किया जाएगा। यहां पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि बेहतर तालमेल ही जलभराव जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित कर सकता है। बैठक में जीएमडीए अधिकारियों ने जानकारी दी कि शहर के नौ जलभराव संभावित स्थानों पर कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा

करीब 160 किलोमीटर लंबी सरफेस ड्रेनों की सफाई भी जारी है। साथ ही सेंट्रल वर्ज और ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों को सडक़ से नीचा करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे पानी का बहाव सुचारू बना रहे। नरसिंहपुर क्षेत्र में जल निकासी को बेहतर बनाने के लिए पिछले वर्ष बनाई गई कच्ची ड्रेन को पक्का किया जा रहा है। इफ्को चौक, सिग्नेचर टावर चौक, राजीव चौक और हीरो होंडा चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर ड्रेन कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है, ताकि जल निकासी में कोई बाधा न आए।निगम क्षेत्र में सीवरेज समस्या से जुड़े 40 स्थानों पर अधिकांश कार्य पूरा नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारियों ने बताया कि सीवरेज समस्या से जुड़े 40 स्थानों की पहचान कर वहां कार्य शुरू किया गया था, जिनमें से अधिकांश स्थानों पर काम पूरा हो चुका है। शेष स्थानों पर भी मानसून से पहले कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा मास्टर ड्रेन से जुड़े क्षेत्रों में भी कनेक्टिविटी सुधारने के लिए कार्य किया जा रहा है। शहर के विभिन्न पार्कों में स्थापित माइक्रो एसटीपी पूरी तरह से संचालित हो रहे हैं। इस पर मंत्री ने इनके नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए।बैठक में बताया गया कि राजेंद्र पार्क क्षेत्र की दशकों पुरानी सीवरेज समस्या का स्थायी समाधान अंतिम चरण में है, जिसे अप्रैल माह के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही शहर के 142 पार्कों में ट्रीटेड पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की जा चुकी है और शेष स्थानों पर कार्य प्रगति पर है।

उद्योग मंत्री ने नजफगढ़ ड्रेन क्षेत्र, नरसिंहपुर और राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास के इलाकों में जल निकासी के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हरियाणा में निकाय चुनाव करवाने को तैनात होंगे छह हजार कर्मचारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में होने जा रहे निकाय चुनाव का ऐलान होते ही निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाने की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। हरियाणा के चुनाव आयुक्त देवेंद्र कल्याण ने चुनाव कार्यक्रम का ऐलान करने के बाद बताया कि नगर निगम, नगर परिषद तथा नगर पालिका में अध्यक्ष पद का चुनाव सीधे आम जनता द्वारा किया जाएगा। सीनियर डिप्टी मेयर, डिप्टी मेयर, नगर परिषद व नगर पालिका में उपप्रधान संबंधित निकाय सदस्यों द्वारा चुनाव के आधार पर भरे जाएंगे।

इन चुनावों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए छह हजार से अधिक मतदान कर्मचारियों को तैनात किया जाएगा। जिनमें रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, पर्यवेक्षी कर्मचारी, पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी तथा अन्य कर्मचारी शामिल होंगे। चुनाव को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष करवाने के लिए सुरक्षा की दृष्टि से इंतजाम किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर जरूरत के अनुसार संवेदनशील, अति संवेदनशील तथा सामान्य श्रेणी के मतदान केंद्रों पर पुलिस बल को तैनात किया जाएगा। समूचे चुनाव प्रक्रिया के लिए दो हजार से अधिक ईवीएम का प्रयोग किया जाएगा। महापौर अध्यक्ष और सदस्य के लिए अलग अलग ईवीएम का प्रयोग किया जाएगा।उन्होंने बताया कि महापौर अध्यक्ष के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र होगा और सदस्यों के लिए सफेद रंग का मतपत्र होगा।

इस चुनाव को स्वतंत्र तरीके से करवाने के लिए राज्य चुनाव आयोग द्वारा सीनियर आईएएस तथा एचसीएस अधिकारियों को चुनाव आब्जर्वर, कानून-व्यवस्था के मद्देनजर सीनियर आईपीएस तथा एचपीएस अधिकारियों को पुलिस आब्जर्वर तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निकायों में आबकारी एवं काराधन विभाग के सीनियर अधिकारियों को खर्चा आब्जर्वर नियुक्त किया जाएगा।

यदि किसी की शिकायत झूठी मिले तो कार्रवाई सुनिश्चित करें : सिद्धांत जैन

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा है कि थाना में आने वाली सभी शिकायतों का समय पर निस्तारण करें, झूठी शिकायत मिलने पर कार्रवाई सुनिश्चित करें ताकि झूठी शिकायतें देने वालों के दिमाग में कार्रवाई का डर हो और उन्हे बढ़ावा न मिले। उन्होंने कहा कि लंबित शिकायतों का समयावधि में निपटारा करें। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन अपने कार्यालय में जिला स्तरीय अपराध व कानून एवं व्यवस्था की समीक्षा गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इसमे जिले में घटित अपराध के आंकड़ों का विश्लेषण किया व कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों का फीडबैक लिया जा रहा है, जिस पर विशेष नजर रखी जा रही है। साथ ही अस्पताल से आने वाले रुक्कों पर की गई कार्रवाई का भी फीड बैक लिया जा रहा है, रुक्कों पर समयावधि में कार्रवाई सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था व दर्ज मुकदमों में की जा रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि महिलाओं की सुरक्षा, अवैध हथियार, मादक पदार्थ तस्करों, अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ सचेत होकर सख्त कार्रवाही कार्रवाई की जाए ताकि अपराध पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने इस दौरान तीन नए आपराधिक कानूनों बारे भी जानकारी देकर इनके तहत कार्रवाई करने के

अमल में लाएं। पीओ, बेल जंपर को काबू किया जाए, फुट पेट्रोलिंग के साथ ही सभी मुख्य मार्गों, चौराहों, हाइवे व इंटर स्टेट नाकों पर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चैकिंग की जाए। जेल से बाहर आए अपराधियों पर नजर रखने व रात्रि में प्रभावी गश्त करने का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन वारदातों का खुलासा नहीं हुआ है, उनका खुलासा करके वैधानिक लिए उचित निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने थाना के पेंडिंग केसों व केस प्रॉपर्टी का शीघ्र से शीघ्र निपटारा करवाए। पुराने वाहन जो थानों में खड़े हैं उनको डिस्पोज करने के लिए निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने यातायात अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ट्रैफिक पर विशेष ध्यान देकर जाम की स्थिति पैदा न होने दें।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम नए भारत की तस्वीर : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नारी शक्ति वदंन अधिनियम नए भारत की तस्वीर है जहां पर देश की बेटियों के सपनों को साकार किया जाएगा। इस नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश की संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय लेने की मुख्य धारा में लाता है। यह कानून महिलाओं को केवल भागीदारी नहीं नीति निर्माण में नेतृत्व की भूमिका देता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कला एवं सांस्कृतिक विभाग एवं जिला प्रशासन की तरफ से आयोजित 2 दिवसीय राज्य स्तरीय बैसाखी महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम को ऑन लाईन प्रणाली से सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2015 में हरियाणा के पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया। जिसके परिणामस्वरूप आज हरियाणा का लिंगानुपात 871 से सुधरकर 923 तक पहुँच गया है। जब नीति और नीयत सही हो तो समाज में भी सकारात्मक बदलाव आते हैं।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि हमारी माताओं-बहनों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। आज हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में चाहे वह खेल हो, शिक्षा हो या रक्षा, तिरंगे का मान बढ़ा रही हैं। प्रधानमंत्री के नारी शक्ति वंदन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश सरकार महिलाओं को सुरक्षित माहौल, बेहतर शिक्षा और समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सुकन्या समृद्धि योजना की शुरुआत भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 जनवरी, 2015 को पानीपत की ऐतिहासिक धरा से की गई। इस स्कीम के तहत पूरे देश में 4 करोड़ 20 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए। हरियाणा में भी 9 लाख 56 हजार खाते खोले गए हैं। रक्षा सेवाओं में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया। सैनिक स्कूलों में बेटियों के प्रवेश को मंजूरी दी गई है।

वैध कॉलोनियों पर सख्ती बढ़ेगी, नियमित कार्रवाई के आदेश

एजेंसी

कैथल। उपायुक्त अपराजिता ने अवैध कॉलोनियों और निर्माणों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक आयोजित हुई, जिसमें डीटीपी कार्यालय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जिले में चल रही कार्रवाई की समीक्षा की गई।

बैठक में डीसी अपराजिता ने स्पष्ट कहा कि अवैध निर्माणों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने जिला नगर योजनाकार को निर्देश दिए कि अवैध कॉलोनियों पर लगातार कार्रवाई की जाए और अवैध प्लाटिंग या निर्माण को शुरुआती स्तर पर ही रोक दिया जाए, ताकि जिले में सुनियोजित विकास को बढ़ावा मिल सके। डीटीपी प्रवीन कुमार ने बैठक में जानकारी दी कि हाल ही में करनाल रोड पर अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके अलावा शुगर मिल के पास स्थित एक कॉलोनी में भी कई बार कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन कुछ स्थानों पर लोग दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर देते हैं। उन्होंने बताया कि पूंडरी, ढांड और कैथल क्षेत्र में नई अवैध कॉलोनियों की पहचान कर उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं और जल्द ही इन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने पुलिस और डीटीपी विभाग को निर्देश दिए कि अवैध निर्माण से जुड़े मामलों में एफआईआर दर्ज होने के बाद चार्जशीट दाखिल करने की प्रक्रिया पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने लंबित मामलों की विस्तृत रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अवैध निर्माणों को रोकने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। खासतौर पर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे हो रहे अवैध निर्माणों पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी एसडीएम को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। बैठक में डीएसपी गुरविंद्र सिंह, डीटीपी प्रवीन कुमार, एआईपीआरओ अमित कौशिक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा में रबी फसल की सफलतापूर्वक खरीद जारी, मंडियों में अब तक लगभग 39.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में रबी खरीद सीजन 2026 - 27 के अंतर्गत प्रदेश भर की मंडियों और खरीद केंद्रों में सफलतापूर्वक सरसों और गेहूं की खरीद की जा रही है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष रबी खरीद 2026 - 27 के दौरान 12 अप्रैल तक लगभग 39.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है और लगभग 2.44 लाख किसानों का 30.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है। 10.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है और लगभग 188 करोड़ की राशि किसानों के बैंक खाते में सीधेतौर पर स्थानांतरित हो चुकी है। विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में रबी खरीद सीजन 2026 - 27 के दौरान सरसों की खरीद 28 मार्च 2026 एवं गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से आरम्भ हो चुकी है। भारत सरकार द्वारा सरसों एवं गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य क्रमशः 6200 और 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। राज्य में सरसों की खरीद के लिए 112 मंडियों/खरीद केंद्र खोले गए हैं तथा गेहूं की खरीद के लिए 416 मंडियां एवं खरीद केंद्र के अलावा 264 अतिरिक्त खरीद स्थल भी खोले गए हैं। राज्य में सरसों की खरीद हैफेड एवं गेहूं की खरीद खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हैफेड, हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन तथा भारतीय खाद्य निगम द्वारा की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा खाद्यान्नों की खरीद प्रक्रिया को ओर अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शिता बढ़ाने हेतु नए प्रावधान किये गए हैं जैसे कि किसानों का बायोमेट्रिक सत्यापन, वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर, मंडियों/खरीद केंद्रों की जियो फेंसिंग, कैमरे इत्यादि। राज्य मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष रबी खरीद सीजन 2025 - 2026 के दौरान 12 अप्रैल 2025 तक राज्य भर की मंडियों में लगभग 20.39 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई थी और लगभग 10.47 लाख मीट्रिक टन की खरीद हुई थी और 174.39 करोड़ राशि का भुगतान किसानों की किया गया था।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।

दिसावरी मजबूती से मंगलवार को किराना जिंसों में हल्दी बाजार तेजी के रहे। सौंफ अच्छे मालों में मजबूत हुई। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में माँग का सीज़न है। दिसावरी बाजारों में मजबूती से भावों में सुर्खी है।

वहीं, सौंफ व जीरा भी मजबूती बनाए हुए है। खाद्य तेलों में टिकाव कायम है। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे

किराना

शक्कर 4080-4180, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बार्रीक 220-380,

राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीर्डीयम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820,

मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल

सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1460-1470, सोया रिफाइंड 1520-1530, कपास्या 1450, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा

गुजरात लुज 1700-1710, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1560,

खली

कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

तिलहन

सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन

चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5500-5550, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रर्शीयन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल चना

दाल एवरेज 7000-7200, मीर्डीयम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400,

तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

हाजिर कच्चा तेल 135 डॉलर, सौदे में 104 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर असामान्य स्थिति देखने को मिल रही है। हाजिर (स्पॉट) बाजार में कच्चा तेल 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि वायदा सौदों में इसकी कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई। कीमतों के इस बड़े अंतर ने कारोबारियों और निवेशकों को चौंका दिया है।विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाएं और उत्पादन में कटौती जैसे कारक स्पॉट कीमतों को ऊपर धकेल रहे हैं। वहीं वायदा बाजार में निवेशक आने वाले समय में आपूर्ति सुधरने और मांग में संतुलन बनने की उम्मीद जता रहे हैं, जिससे कीमतें अपेक्षाकृत कम बनी हुई हैं।तेल की ऊंची हाजिर कीमतों का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के दाम, परिवहन लागत और महंगाई पर पड़ सकता है। आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। ऊर्जा बाजार के जानकारों के अनुसार आने वाले हफ्तों में वैश्विक घटनाक्रम और उत्पादन संबंधी फैसले कीमतों की दिशा तय करेंगे।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में रिकॉर्ड उछाल, एयूएम 73.73 लाख करोड़ के पार

- एसआईपी में लगातार मजबूत निवेश और बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई ।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत ग्रोथ दर्ज कर रहा है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और लगातार एसआईपी निवेश के चलते इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एसो सिएशन आफ म्युचुअल फंड इन इं डिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.2 फीसदी बढ़कर 73.73 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निवेशकों का रुझान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर बढ़ा है। मार्च महीने में एक्टिव इक्विटी फंड्स में इनफ्लो 40,450 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था, जिससे स्पष्ट है कि बाजार में निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। रिटेल निवेशकों का भरोसा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में भी मजबूत दिखाई दिया। मार्च में एसआईपी के जरिए 32,087 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है। यह दर्शाता है कि निवेशक उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि की रणनीति पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, कुल मिलाकर मार्च में इंडस्ट्री से 2.39 लाख करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो भी दर्ज हुआ, जिसका मुख्य कारण डेट म्यूचुअल फंड्स से 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी रही। इसी अवधि में गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया, जबकि फरवरी में यह 5,254 करोड़ रुपये था। इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे ज्यादा आकर्षण में रहे, जहां 10,054 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया। इसके साथ ही मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी निवेश बढ़ा, जबकि लार्ज-कैप फंड्स में अपेक्षाकृत कम इनफ्लो देखने को मिला। म्यूचुअल फंड निवेश एक ऐसा माध्यम है जिसमें कई निवेशकों का पैसा एकत्र कर पेशेवर फंड मैनेजर द्वारा शेयर, बॉन्ड और अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। एसआईपी के जरिए छोटे निवेश से शुरुआत कर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न और जोखिम में संतुलन बनाया जा सकता है।

चीन के निर्यात में धीमी वृद्धि, वैश्विक अनिश्चितताओं और ऊर्जा संकट का असर गहराया

– मार्च में निर्यात 2.5 फीसदी बढ़ा, आयात में तेज उछाल, ईरान युद्ध और ऊर्जा कीमतों ने बढ़ाई चिंता

हांगकांग।

चीन के व्यापार आंकड़ों में मार्च के दौरान निर्यात वृद्धि में तेज गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े युद्ध और ऊर्जा संकट, ने अंतरराष्ट्रीय मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक असर डाला है। चाइना के सीमा शुल्क विभाग द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में देश का निर्यात सालाना आधार पर केवल 2.5 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि पिछले दो महीनों की तुलना में काफी कमजोर है, जब जनवरी-फरवरी में निर्यात 21.8 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा था। विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट वैश्विक मांग में आई नरमी का संकेत है। दूसरी ओर, आयात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में आयात 27.8 प्रतिशत बढ़ा, जो इस वर्ष के पहले दो महीनों की 19.8 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि घरेलू खपत और कुछ क्षेत्रों में मांग अभी भी बनी हुई है,

हालांकि निर्यात क्षेत्र दबाव में है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, इरान से जुड़े युद्ध और मध्य पूर्व में जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया है। इससे न केवल तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता आई है, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन पर भी दबाव बढ़ा है।

इसका सीधा असर चीन के निर्यात पर पड़ रहा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक मांग कमजोर हुई है,

जिससे निर्यात में गिरावट देखी जा रही है। वैश्विक बाजार अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति एक्सआई ` जिं पिंग से उनकी मुलाकात पर भी नजर बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि कमजोर घरेलू मांग और संपत्ति क्षेत्र की मंदी के बीच चीन के लिए निर्यात ही आर्थिक वृद्धि का मुख्य सहारा बना रहेगा।

ईरान-अमेरिका तनाव का असर भारत में, फ्रिज, पंखे, खाद्य तेल और कपड़ों के दाम 15 फीसद तक बढ़े

मुंबई।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन पर दबाव के कारण रोजमर्रा के सामान महंगे हो गए हैं। फ्रिज, पंखे, पेंट, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ी है, जबकि कई खाद्य सामग्रियों की कीमतों में 7 फीसदी तक इजाफा दर्ज किया गया है।विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर खाद्य तेल और कच्चा तेल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग और उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ता है। कंपनियां बढ़ी लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं।यदि पश्चिम एशिया में हालात

लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे तो महंगाई और बढ़ सकती है। सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आम लोगों की जेब पर फिलहाल दबाव साफ महसूस किया जा रहा है।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 31,561 करोड़ का निवेश दर्ज किया गया

– सोने में निवेश 6 गुना बढ़ा, एयूएम तीन गुना होकर 1.71 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख किया है। इसी कारण जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में रिकॉर्ड स्तर पर निवेश देखने को मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में कुल 31,561 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 5,654 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग छह गुना वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही आधार पर भी इस श्रेणी में निवेश 36 प्रतिशत बढ़कर 23,132 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, मासिक प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जनवरी में जहां 24,040 करोड़ रुपये का भारी निवेश आया, वहीं फरवरी में यह घटकर 5,255 करोड़ रुपये और मार्च में 2,266 करोड़ रुपये रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जनवरी में असामान्य रूप से अधिक निवेश जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन और सोने की कीमतों में तेजी के कारण हुआ। मार्च में आई गिरावट को शुरुआती भारी निवेश के बाद

सामान्यीकरण माना जा रहा है। बाजार`` विश्लेषकों के अनुसार बाजार की अनिश्चितताओं के बीच सोना अब भी निवेशकों के लिए एक मजबूत विविधीकरण साधन बना हुआ है।

मजबूत निवेश प्रवाह के चलते मार्च 2026 के अंत तक गोल्ड फंड्स की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) लगभग तीन गुना बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक वर्ष पहले 58,888 करोड़ रुपये थीं। गोल्ड ईटीएफ जो भौतिक सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निवेशकों को डिजिटल रूप में सोने में निवेश का आसान विकल्प प्रदान करते हैं।

अगले 15 वर्षों में 80 करोड़ नौकरियों की कमी का खतरा- वर्ल्ड बैंक

- तेजी से बढ़ती आबादी और धीमी नौकरी सृजन से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर दबाव की आशंका

मुंबई ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच वर्ल्ड बैंक ने एक गंभीर चेतावनी जारी की है। बैंक के अनुसार, आने वाले 10 से 15 वर्षों में दुनिया एक बड़े रोजगार संकट की ओर बढ़ रही है, जहां कामकाजी उम्र की आबादी तेजी से बढ़ेगी लेकिन उसके अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बन पाएंगे। इस असंतुलन से वैश्विक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में अगले डेढ़ दशक में लगभग 1.2 अरब लोग कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे, जबकि मौजूदा आर्थिक रुझानों के आधार पर केवल करीब 40 करोड़ नई नौकरियां ही सृजित हो पाएंगी। इसका अर्थ है कि दुनिया को लगभग 80 करोड़ रोजगार अवसरों की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि नीति निर्माता अक्सर तात्कालिक संकटों और क्षेत्रीय संघर्षों में उलझ जाते हैं, जबकि रोजगार जैसे दीर्घकालिक मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका प्रभाव केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक प्रवासन, अस्थिरता और सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2025 तक दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, जो बढ़ते दबाव का संकेत है। वर्ल्ड बैंक ने सरकारों से आग्रह किया है कि वे केवल तात्कालिक संकटों पर नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, स्वच्छ पानी और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी समान रूप से ध्यान दें। साथ ही कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में कुछ वैश्विक और बड़ी कंपनियाँ जैसे` रिलायंस इंडस्ट्रीज, मे हिंद्रा ग्रुप और डेनगोट ग्रुप रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकती हैं। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि अगर अभी से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला दशक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

पश्चिम एशिया तनाव का भारतीय कंपनियों पर असर, बिक्री 40 फीसदी तक घटी

सप्लाई चेन बाधित, कई एफएमसीजी और कंज्यूमर कंपनियों की विस्तार योजनाएं प्रभावित

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय कंज्यूमर और एफएमसीजी कंपनियों के कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बिक्री में गिरावट, लागत में तेज उछाल और सप्लाई चेन बाधित होने से कंपनियों की रणनीतियों पर पुनर्विचार शुरू हो गया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अस्थिरता के चलते भारतीय कंज्यूमर कंपनियों के कारोबार पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस क्षेत्र में कई कंपनियों की बिक्री में 30 से 40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही कंटेनर शिपिंग की लागत 4 से 5 गुना तक बढ़ जाने से लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशनल खर्च में भारी वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डाबर, मैरिको, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बीबा फैशन, आईडी फ्रेश फूड, रसना और` बिसलेरी शामिल हैं। इन कंपनियों की कुल कमाई का लगभग 5 से 20 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। आईडी फ्रेश फूड के ग्लोबल सीईओ पी.सी. मुस्तफा के अनुसार कंपनी ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने निवेश और विस्तार योजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। वहीं रसान के चेयरमैन पीरूज खंबाटा ने स्थिति को कोविड जैसे हालात बताया है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। बीवा फैशन के एक अे धिकारी ने बताया कि यूएई में ईद तक कारोबार स्थिर था, लेकिन उसके बाद बिक्री में अचानक 30-40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनियां अब जोखिम कम करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक, वैकल्पिक सप्लाई रूट और बीमा कवरेज पर ध्यान दे रही हैं। डाबर ने भी स्वीकार किया है कि इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का उसके कारोबार पर असर पड़ा है। कंपनी की लगभग 15 फीसदी सालाना आय मिडिल ईस्ट से आती है और वहां करीब 500 कर्मचारी कार्यरत हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भारतीय कंपनियों के लिए मांग, लागत और विस्तार तीनों मोर्चों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है, जिससे आने वाले समय में उनकी वैश्विक रणनीति और प्रभावित हो सकती है।

ऊर्जा और खाद्य कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका आईएमएफ, विश्व बैंक, आईईए

वैश्विक संस्थाओं ने चेताया, तेल, गैस और उर्वरक बाजार पर गहरा असर, आपूर्ति बहाली में लगेगा समय

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों ने कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक और असमान रूप से पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रह सकती है। इन संस्थानों ने इस महीने की शुरुआत में गठित एक समन्वय समूह के तहत बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन क्षेत्र में गिरावट आई है। इन क्षेत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में काफी समय लग सकता है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि यह संकट व्यापक, वैश्विक और असमान है। विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर इसका अधिक गंभीर असर पड़ा है। तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि ने खाद्य सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में नुकसान हुआ है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवागमन अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। संस्थाओं ने चेतावनी दी कि भले ही भविष्य में आवाजाही सामान्य हो जाए, फिर भी युद्ध से प्रभावित बुनियादी ढांचे के कारण वैश्विक आपूर्ति को पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा। इससे ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आईएमएफ, विश्व बैंक और आईईए ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और सदस्य देशों को नीति सलाह और आवश्यकतानुसार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखेंगे, ताकि वैश्विक आर्थिक स्थिरता और रोजगार बहाली को समर्थन मिल सके।

हर तीसरे हार्ट इलाज पर 1.7 लाख से ज्यादा खर्च, स्पेशल इंश्योरेंस बना सहारा

नई दिल्ली ।

भारत में दिल से जुड़ी बीमारियां अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहीं। 20 से 30 साल के युवाओं में तेजी से बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों स्तरों पर चिंता बढ़ा दी है।

इलाज का खर्च बढ़ने के साथ हेल्थ इंश्योरेंस लेना भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हार्ट से जुड़े हर तीन में से एक इलाज का खर्च 1.7 लाख रुपये से अधिक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मामलों में यह 5 लाख रुपये से ऊपर चला जाता है। खासतौर पर आईसीयू में भर्ती या सर्जरी की स्थिति में खर्च और बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है

कि देश में करीब 6 से 7 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार की हृदय बीमारी से जूझ रहे हैं और हर साल 20 से 25 लाख नए मामले सामने आते हैं। कम उम्र में दिल की बीमारी का असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बीमा पॉलिसी लेने में भी बाधा बनता है। बीमा कंपनियां ऐसे मामलों में ट्रेडमिल टेस्ट, इको और एंजियोग्राफी जैसी विस्तृत जांच कराती हैं।

इसके अलावा पॉलिसी मिलने पर भी कई शर्तें लागू होती हैं, जैसे 2 से 3 साल का वेटिंग पीरियड और अधिक प्रीमियम। विशेषज्ञों के अनुसार, जोखिम को देखते हुए प्रीमियम में 30 से 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा सकती है। साथ ही को-पे क्लॉज के तहत मरीज को इलाज का 10 से 30 प्रतिशत खर्च खुद उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में दिल के मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड हार्ट इंश्योरेंस पॉलिसी एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। यह पॉलिसी न केवल हृदय रोग, बल्कि उससे जुड़ी अन्य बीमारियों और इलाज को भी कवर करती है, जिससे मरीजों को तेजी से और भरोसेमंद कवरेज मिल सकता है।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

ललित गर्ग

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।

संपादकीय

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में ह्यजिसकी लाठी, उसकी भैंसह्ण वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेड़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया।

अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्ण बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान को सऊदी अरब-कतर देंगे पांच अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को सऊदी अरब और कतर ने सहारा प्रदान करने का वादा किया है। दोनों देश खस्ताहाल पाकिस्तान को पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता देंगे। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, देश को महत्वपूर्ण समय में धन मिलने वाला है क्योंकि इस्लामाबाद इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर चुकाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के कमजोर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के लिए सऊदी अरब और कतर पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

ताइवान और चीन में नरमी के संकेत, शुरू करेंगे सीधी उड़ान

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान व चीन के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत दिखाई देने लगे हैं। चीन ने रविवार को ताइवान के साथ निलंबित संबंधों को कुछ हद तक बहाल करने का एलान किया है। इनमें चीनी शहरों के लिए सीधी उड़ानें व ताइवानी मत्स्य उत्पादों का आयात शामिल है। ताइवान की विपक्षी पार्टी की नेता चेंग ली-वुन ने लंबे अरसे बाद हाल ही में चीन की यात्रा पर थीं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन ताइवान वर्क ऑफिस ने एक बयान में कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी व ताइवान की कुओमिंतांग पार्टी के बीच एक दीर्घकालिक संचार तंत्र स्थापित करने की संभावना तलाशेगा। इसके साथ ही ताइवान के जलीय कृषि उत्पादों के आयात को सुविधाजनक बनाएगा जिन पर हाल के वर्षों में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

नेपाल : पीएम बालेंद्र के खाते में 1.46 करोड़ रुपये

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र उर्फ बालेन शाह ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। उनके बैंक खाते में 1.46 करोड़ नेपाली रुपये जमा हैं। प्रधानमंत्री बालेन शाह की पत्नी सविना काफ्ले के पास सोना, चांदी और हीरा-जवाहरात सहित दो किलो 216 ग्राम आभूषण हैं। सोना, चांदी और हीरे का अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया है। संपत्ति विवरण में इन आभूषणों का स्रोत पैतृक बताया गया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने रविवार शाम प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्रियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन की आलोचना करने पर एक यूट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। भारी विरोध व जेन-जी आंदोलनकारियों की तरफ से आपत्ति जताए जाने के बाद उसे छोड़ दिया गया। हेड्स नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले रोशन पोखरेल को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया था।

क्वींसलैंड में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अस्पताल में भर्ती

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में 24 घंटे के भीतर हुई तीन भीषण सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच की हालत गंभीर है और उनकी जान को खतरा है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) ने एक बयान में कहा कि रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम 5:40 बजे के आसपास ब्रिस्बेन से 60 किलोमीटर दक्षिण में स्थित छोटे शहर क्रायना के पास एक राजमार्ग पर एक वाहन के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इससे पहले, रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे के कुछ ही समय बाद क्रायना से 20 किलोमीटर पूर्व में माउंट टैम्बोरिन में दो कारों और एक मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था।

इस्राइल ने रोमन गोफमैन को बनाया मोसाद का नया प्रमुख

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने रोमन गोफमैन को खुफिया एजेंसी मोसाद का नया प्रमुख नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले साल दिसंबर में गोफमैन को नामित करने की घोषणा की थी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति के लिए गठित एक समिति ने रविवार को इस फैसले को मंजूरी दे दी। गोफमैन जून में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह एजेंसी के वर्तमान निदेशक डेविड बार्निया का स्थान लेंगे। 49 वर्षीय गोफमैन एक अनुभवी सैन्य जनरल हैं। वर्तमान में वह प्रधानमंत्री के सैन्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद निक्की हेली बोलीं- तेहरान के साथ बातचीत समय की बर्बादी है

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 पॉइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 पॉइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।' उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।'

हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है। हेली ने कहा कि 20 फीसदी तेल, 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस और एक तिहाई फर्टिलाइजर स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि रुकावटें पहले से ही दिख रही थीं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर एक दिन में 135 जहाज स्ट्रेट से गुजरते थे। अब हमारे पास शायद कुछ ही बचे हैं, आपके पास 400 जहाजों का बैकलॉग है।'

हेली ने कहा कि मकसद कोई लंबी लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम कभी न खत्म होने वाली लड़ाई नहीं चाहते। इसे जल्दी पूरा करने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस इलाके में अमेरिकी नेवी फोर्स पहले से ही रास्ते को सुरक्षित करने के लिए तैनात हैं। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर, हेली ने कहा कि अभियान तब तक पूरा नहीं होगा जब तक यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार हो। खाड़ी के सहयोगी इस मकसद का समर्थन करते हैं।' उन्होंने सुझाव दिया कि एक टारगेटेड मिलिट्री ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद यही बात होगी, इसे पूरा होने में लगभग एक हफ्ते से 10 दिन लगेंगे।' निक्की हेली ने इसे एक स्पेशल फोर्स मिशन बताया जो खतरनाक होगा। हेली ने चीन और रूस पर ईरान की मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चीन ने सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें सप्लाई की हैं। बीजिंग जल्द ही और एयर डिफेंस सिस्टम दे सकता है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या ट्रंप को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्लान की गई समिट पर आगे बढ़ना चाहिए। इसपर निक्की ने कहा, 'मुझे शक है कि समिट जारी रहनी चाहिए या नहीं। जब तक चीन ईरान को अपना सपोर्ट बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका को और सख्त रवैया अपनाना चाहिए।' 2024 के कैंपेन के दौरान ट्रंप की आलोचना करने के बावजूद, हेली ने कहा, 'वह हमारे दुश्मनों से मजबूती से निपट रहे हैं, कमजोर नहीं हैं। उनका तरीका कभी-कभी अफरा-तफरी मचा सकता है।' इस दौरान निक्की ने घरेलू चिंताओं पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था और बढ़ता कर्ज देश में सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने 40 ट्रिलियन डॉलर के करीब देश के कर्ज और एंटाइटलमेंट प्रोग्राम पर दबाव की ओर इशारा किया।

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण

सिएटल , एजेंसी। प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद की अमेरिका में पहली आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है. अमेरिका के सिएटल शहर में स्वामी विवेकानंद की यह प्रतिमा वेस्टलेक स्क्वायर पर लगाई गई है. जो आने वाले दिनों में सिएटल पहुंचने वाले भारतीयों को एक अलग गौरव की अनुभूति कराएगा. स्वामी विवेकानंद की इस प्रतिमा को देखकर सहज ही उनकी 1893 की शिकागो यात्रा का यादें ताजा हो जाएगी. जब पहली बार स्वामी विवेकानंद वैश्विक रूप से चर्चा में आए थे. स्वामी के जीवन में शिकागो की इस यात्रा का बड़ा महत्व है. 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने हिंदू दर्शन की ऐतिहासिक व्याख्या की थी.

सिएटल की मेयर और भारत के महावाणिज्य दूत ने किया प्रतिमा का अनावरण : अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है. भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया. भारत के महावाणिज्य दूतावास ने स्वामी की शिकागो यात्रा का जिक्र किया सिएटल में भारत के

महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक! ...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है.'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है. भारत और अमेरिका के आपसी संबंधों को मजबूत करने की पहल सिएटल में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने सिएटल की ''समृद्ध बहुसांस्कृतिक पहचान और समावेशी भावना'' के सम्मान में उसे यह प्रतिमा भेंट की. महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि प्रतिमा का अनावरण आईसीसीआर दिवस के अवसर पर किया गया और यह भारत की व्यापक सांस्कृतिक कूटनीतिक पहलों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य भारत और अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करना है।

अमेरिका के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करने से कच्चे तेल की कीमत 10 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई , एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को 10 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जिससे दाम फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह ईरान से वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करना है। सुबह 10:45 पर ब्रेंट क्रूड का दाम 7.41 प्रतिशत या 7.05 डॉलर बढ़कर 102.2 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 8.54 प्रतिशत या 8.25 डॉलर बढ़कर 104.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। घरेलू स्तर पर भी कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर क्रूड ऑल फ्यूचर्स (20 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट)7.61 प्रतिशत या 697 रुपए बढ़कर 9,850 रुपए पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान 'जलमार्ग को खुला रखने में विफल रहा है' और चेतावनी दी कि अमेरिका स्ट्रेट में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले 'सभी जहाजों' को रोकेगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान को लेकर चिंता व्यक्त की। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका उद्देश्य तनाव कम करना और एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना सुनिश्चित करना था। हालांकि, दोनों देशों के बीच वार्ता विफल होने से आपूर्ति में व्यवधान की आशंका बढ़ गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक कच्चे तेल के परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट का आपूर्ति श्रृंखलाओं और कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। इस बीच, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में भी प्रमुख सूचकांक भी लाल निशान में हैं, जिनमें निक्केई, हांग सेंग और कोस्पी जैसे प्रमुख सूचकांकों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

हंगरी में बड़ा उलटफेर, 16 साल बाद गई ट्रंप के करीबी की सत्ता; विक्टर ओरबान हारे

बुडापेस्ट, एजेंसी। हंगरी में रविवार को हुए आम चुनावों में विपक्षी तिसा पार्टी को दो तिहाई बहुमत हासिल हो गया है। इस तरह बीते 16 साल से सत्ता में बने हुए प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान की फिडेस पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। रविवार देर रात हंगरी के चुनाव आयोग ने बताया कि 84।91 प्रतिशत वोटों की गिनती के बाद तिसा पार्टी ने 199 में से 138 सीटें जीत ली हैं। इस तरह, उसे संवैधानिक बदलावों के लिए जरूरी बहुमत मिल गया है।

इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री ओरबान ने अपनी हार स्वीकार करते हुए बुडापेस्ट में अपने समर्थकों से कहा, 'भले जो हो, हम विपक्ष में रहकर मातृभूमि की सेवा करेंगे।' उन्होंने तिसा पार्टी के नेता पीटर मागयार को फोन कर जीत की बधाई दी। इस जीत के साथ माग्यार हंगरी में जरूरी सुधार कर पाएंगे जिसके लिए संवैधानिक बदलाव करने होंगे। इनमें ओरबान के दौर में नियुक्त किए अहम अधिकारियों को

हटाना भी शामिल है। अगर मागयार के पास दो तिहाई बहुमत ना होता, तो इस तरह के कदमों को संवैधानिक अदालत रोक देती।

माग्यार ने जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, 'हमने कर दिखाया... मिलकर हमने ओरबान की सत्ता को गिरा दिया... एक साथ मिलकर।' 45 साल के माग्यार ने बुडापेस्ट में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने हंगरी को आजाद करा दिया। हमने अपनी मातृभूमि को वापस ले लिया है।

जीत पर बधाई : माग्यार को शानदार जीत पर जर्मन चांसलर फ्रीडरिष मैर्त्स ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हंगरी ने जनादेश दे दिया है। मैं एक मजबूत, सुरक्षित, और सबसे जरूरी एकजुट यूरोप के लिए आपके साथ मिलकर करने को उत्सुक हूं।' जर्मनी और दूसरे यूरोपीय देशों का प्रधानमंत्री ओरबान के साथ टकराव होता रहा है क्योंकि उन्होंने यूक्रेन को दी जाने वाली मदद को बार बार रोका और यूरोपीय संघ से उच्च स्तर की सूचनाएं रूस को मुहैया कराईं।

रूस और अमेरिका के करीबी थी विक्टर ओरबान : ओरबान के रूस से नजदीकी संबंध हैं जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनके समर्थकों में गिने जाते हैं। लेकिन मीडिया की आजादी, भ्रष्टाचार के आरोप, सख्त माइग्रेशन नीति और अहम नीतियों पर यूरोपीय संघ से टकराव जैसे मुद्दों को लेकर उनके खिलाफ रोष बढ़ रहा है।

अब हंगरी के चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेयर लायन ने कहा कि हंगरी ने यूरोप को चुना है। उन्होंने कहा कि इस नतीजे से यूरोपीय संघ और मजबूत होगा। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल माक्रों ने माग्यार को बधाई दी और उन्हें 'अधिक संप्रभु यूरोप की तरफ' जाने के लिए आमंत्रित किया।

कोविड वैक्सीन ने ले ली हजारों जानें, दावे के समर्थन में उतरे एलन मस्क बोले- ऐसा लगा जान निकल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना काल के दौरान जिस वैक्सीन को लेकर होड़ लगी हुई थी उसी को लेकर कई तरह के डरावने दावे भी किए जाते हैं। कोविड वैक्सीन को लेकर दावे करने वालों में अब एलन मस्क का भी नाम जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन का दूसरा डोज लेने पर उन्हें लगा कि जैसे यह उन्हें मार ही देगी। बता दें कि फाइजर के एक पूर्व टॉक्सिकोलॉजिस्ट ने जर्मनी की संसद में दावा किया था कि द्वऋह वैक्सीन को मंजूरी ही नहीं मिलनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि इस कोविड-19 वैक्सीन की वजह से जर्मनी में हजारों लोगों की जान चली गई। अमेरिकी बायोफार्मा कंपनी फाइजर

के यूरोपीय सेंटर के पूर्व टॉक्सिकोलॉजी हेड ने भी इसी तरह का दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़े स्तर पर इस्तेमाल की गई वैक्सीन बेहद खतरनाक है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। पिछळे सप्ताह इसे करोड़ों लोगों ने देखा। मस्क ने कहा कि इतने बड़े दावे को भी खबरों में हाइलाइट नहीं किया गया। दुनियाभर में शुरू हो गई बहस कोविड-19 वैक्सीन को लेकर इस तरह के दावे के बाद पूरी दुनिया में इसको लेकर बहस शुरू हो गई। बता दें कि इस बात का दावा करने वाले डॉ. हेलमुत स्टर्ज ने दशकों टॉक्सिलॉजी के क्षेत्र में काम किया है। इसमें पता लगाया जाता है कि कोई वस्तु कैसे इंसानों या फिर अन्य जीवों को प्रभावित करती है। 2007 में वह रिटायर हो गए थे। जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टी की तरफ से उन्हें संसद में बुलाया गया था। उन्होंने वैक्सीन माफिया नाम की एक किताब भी लिखी। उनका कहना है कि शॉर्टकट तरीके से बिना पर्याप्त ट्रायल के ही वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई। स्टर्ज ने दावा किया कि इस वैक्सीन को मंजूरी देने से पहले पांच जरूरी प्रीकीनिकल सेफ्टी मेजर पर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं फाजर-बायोएनटेक की mRNA वैक्सीन पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों को लगा दी गई। इस दावे को लेकर मस्क ने कहा कि दूसरा डोज लेने के बाद उनकी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा था कि जान निकल जाएगी। स्टर्ज का मुख्य तर्क है कि जल्दबाजी में कोविड-19 वैक्सीन का प्रीक्लीनकल ट्रायल नहीं हुआ। भारत में एम्स की एक स्टडी में कहा गया था कि युवाओं में हार्ट अटैक से वैक्सीन को कोई लेना देना नहीं है।

ईरान ने बातचीत विफल होने के लिए यूएस को ठहराया दोषी, अमेरिका पर शर्तों को बदलने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने एक संभावित समझौते को अंतिम चरण में आकर पटरी से उतार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने ज्यादा से ज्यादा दबाव बनाने, बार-बार शर्तें बदलने (गोलपोस्ट शिफ्ट करने) और नाकाबंदी जैसी रणनीतियों का सहारा लिया, जिससे सहमति बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद समझौता' (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे। उनका कहना है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने 47 सालों में वॉशिंगटन के साथ अपनी सबसे ऊंचे स्तर की सीधी बातचीत ईमानदारी और चल रहे झगड़े को खत्म करने में मदद करने के इरादे से की है। अराघची ने दुख जताया कि 'कोई सबक नहीं मिला। अराघची ने एक्स पर लिखा, '47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ

अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।' ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से 'सर्वाधिकारवाद' को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है। बता दें, सर्वाधिकारवाद एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है, जिसमें राज्य सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत करने वाले डेलिगेशन के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा, 'अगर अमेरिकी सरकार अपना सर्वाधिकारवाद छोड़ दे और ईरानी देश के अधिकारों का सम्मान करे।

ईरान मुद्दे पर पोप लियो की टिप्पणी से भड़के ट्रंप, धर्मगुरु को अपराध और कूटनीति में बताया कमजोर

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो XIV ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं। ट्रंप ने लिखा, 'पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।'

ट्रंप ने वेनेजुएला समेत विदेशों में अमेरिका के कामों का बचाव किया और उन्हें अमेरिका में ड्रग्स और अपराध संबंधित चिंताओं से जोड़ा और लिखा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि यह बहुत बुरा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, एक ऐसा देश जो अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स भेज रहा था। वह देश अपनी

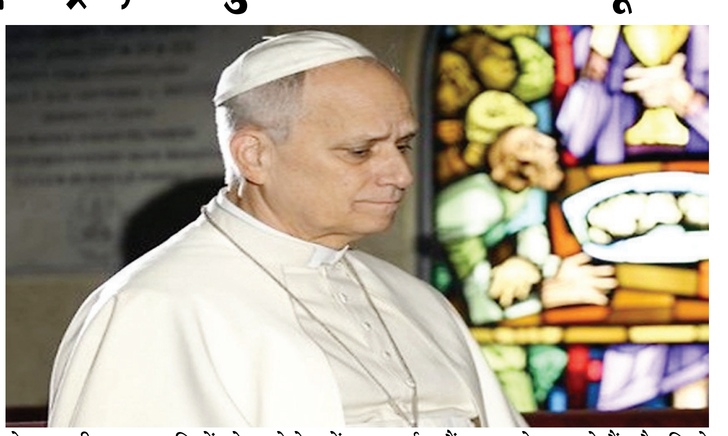

जेल खाली कर अपराधियों को हमारे देश में भेज रहा था। पोप की आलोचना यहीं तक नहीं रूकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर हमला करते हुए पोप की तुलना उनके भाई से की। उन्होंने कहा, 'मुझे उनका भाई लुइस उनसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि लुइस पूरी तरह से एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के समर्थक हैं। वह इसे समझते हैं और लियो नहीं!' ट्रंप ने चुनावी जीत, अपराध में कमी और आर्थिक परफॉर्मेंस का हवाला देते हुए अपनी प्रेसीडेंसी का बचाव किया और लिखा, 'मैं ठीक वही कर रहा हूं जिसके लिए मुझे भारी बहुमत से चुना गया था, अपराध में रिकॉर्ड कम नंबर लाना और इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बनाना।' एक चौंकाने वाले दावे में, ट्रंप ने कहा कि पोप का चुनाव उनके अपने राष्ट्रपति पद से जुड़ा था। उन्होंने कहा, 'लियो को शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि वह सबके लिए एक हैरान करने वाला सरप्राइज थे। अगर मैं व्हाइट हाउस में नहीं होता, तो लियो वेटिकन में नहीं होते।' उन्होंने पोप के राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत की भी आलोचना की और पूर्व सलाहकार डेविड एक्सलरॉड का जिक्र करते हुए कहा, 'लियो को पोप के तौर पर अपना काम ठीक से करना चाहिए। कट्टरपंथी वामपंथ की सेवा करना बंद करें और एक महान पोप बनने पर ध्यान दें, न कि एक राजनेता बनने पर।'

ये बातें ट्रंप और वेटिकन के बीच बढ़ती दरार को दिखाती हैं, जिसमें दोनों पक्ष युद्ध और डिप्लोमेसी से लेकर इमिग्रेशन और घरेलू नीति जैसे मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते हैं।

स्किन से लेकर बालों तक, नीम के पत्ते चबाने से होते हैं कई फायदे

सदियों से नीम का इस्तेमाल कई बीमारियों के इलाज के लिए किया जा रहा है। मेडिकल साइंस में भी नीम का इस्तेमाल कई दवाइयों को बनाने में किया जाता है। नीम में कई ऐसे गुण होते हैं, जो सेहत के लिए तो लाभकारी साबित होते ही हैं साथ ही स्किन को भी बहुत फायदा पहुंचाते हैं। नीम खून को भी साफ करता है। आइए जानते हैं नीम के पत्ते चबाने के अनगिनत फायदों के बारे में-

स्किन के लिए फायदेमंद

नीम के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ये स्किन इंफेक्शन, मुंहासे और कई प्रकार की स्किन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाता है। कीड़े के काटने, खुजली होने, दाद आदि स्किन संबंधी समस्याओं पर नीम के पत्तों का पेस्ट हल्दी के साथ मिलाकर लगाने से फायदा होता है। नीम चेहरे के दाने और धब्बे भी दूर करता है।

बालों के लिए फायदेमंद

नीम के पत्ते चबाने से बालों को भी फायदा पहुंचता है। नीम स्कैल्प को फ्री रेडिकल से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखता है। नीम में मौजूद एंटी-फंगल गुण से डैंड्रफ की समस्या दूर होती है। इसके लिए नीम के पत्तों को पानी में उबालकर, उस पानी से बाल धोने से डैंड्रफ तो दूर होता ही है, साथ ही बालों की अन्य समस्याओं से भी राहत मिलती है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए

नीम में एंटीऑक्सीडेंट के साथ एंटीमाइक्रोबियल, एंटीवायरल गुण भी पाए जाते हैं। नीम के पत्ते चबाने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है। दरअसल, नीम के पत्ते चबाने से शरीर में मौजूद बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं, जिससे शरीर कई बीमारियों से सुरक्षित रहता है।

डाइजेशन बेहतर करता है

नीम लिवर के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है, जिससे नेचुरली तरीके से डाइजेशन बेहतर होता है।

बच्चों के लिए खतरनाक है पैकेट बंद दूध

नवजात बच्चों को पैकेट बंद दूध पिलाना आम बात है, लेकिन इसे लेकर हाल में जो खबर आई है, वो चौंकाने वाली है। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के हालिया अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि भारत में बिकने वाला करीब 10 प्रतिशत दूध स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। चिकित्सकों का कहना है कि इस पैकेटबंद दूध से नवजातों या बच्चों में भी बड़ी आसानी से 'डेवलपमेंट डिसऑर्डर' हो सकता है।

प्रीमैच्योर बॉडी के लिए नुकसानदेह

डॉक्टरों का कहना है कि नवजात या कम उम्र के बच्चों के लिए मिलावटी या पैकेट में बंद दूध बहुत नुकसानदायक है, क्योंकि उनका शरीर प्रीमैच्योर होता है और किसी भी तरह की मिलावट का उनके हर अंग पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

खासतौर पर किडनी, लीवर और ब्रेन पर मिलावट वाले दूध घातक परिणाम डालते हैं। डॉक्टर जीएस लांबा ने कहा कि मिलावटी या कॉन्टैमिनेटेड दूध से होने वाला नुकसान इस बात पर निर्भर करता है कि कॉन्टैमिनेशन कैसा है। अगर दूध में बैक्टीरियल कॉन्टैमिनेशन है तो आपको फूड प्वाइजनिंग, पेट दर्द, डायरिया, इंटेस्टाइन इंफेक्शन, टाइफाइड, उल्टी, लूज मोशन जैसे इंफेक्शन होने का डर होता है।

यूरिया का होता है इस्तेमाल

हाल ही में यह खुलासा हुआ था कि भारत में बिकने वाला करीब 10 प्रतिशत दूध हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस 10 प्रतिशत में 40 प्रतिशत मात्रा पैकेज्ड मिल्क की है, जो हमारे हर दिन के भोजन में इस्तेमाल में आता है। इसे लेकर डॉ. लवकेश आनंद का कहना है कि मिलावटी दूध में यूरिया, वेजिटेबल ऑयल, ग्लूकोज से लेकर अमोनियम सल्फेट, एंटीबायोटिक्स, कीटनाशक, एफ्लाटॉक्सिन एम 1 तक पाया जाता है, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही नुकसानदायक है।

रेसिपी

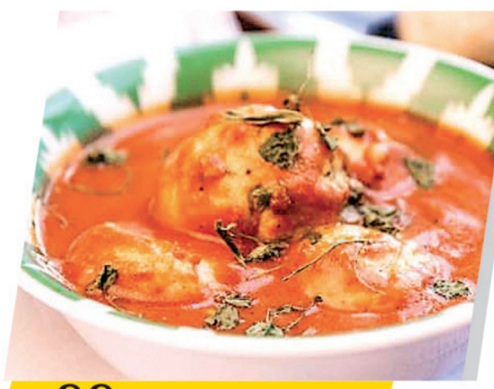

पनीर आलू कोफ्ता

■ **आलू** : 4 (उबले हुए) ■ **पनीर** : 125 ग्राम ■ **खसखस** : ¼ कप ■ **टमाटर** : 3 ■ **हरी मिर्च**: 2 ■ **कॉर्न फ्लोर** : ¼ कप ■ **हरा धनिया** : 2-3 टेबल स्पून (बारीक कटा हुआ) ■ **काजू** : 5-6 (बारीक कटे) ■ **किशमिश** : 15-20 ■ **अदरक पेस्ट**- 1 चम्मच ■ **जीरा** : ¼ चम्मच ■ **हल्दी पाउडर** : ½ चम्मच ■ **धनिया पाउडर** : 1 चम्मच ■ **लाल मिर्च पाउडर**: ½ चम्मच ■ **गरम मसाला** : दो चम्मच ■ **नमक** : स्वाद के अनुसार ■ **तेल** : तलने के लिए

विधि

उबले आलू को छीलकर और पनीर को कद्दूकस कर लें। अब इसमें नमक, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, 1/4 कप कॉर्नफ्लोर, कटे हुए काजू और किशमिश को भी डालकर मिक्स कर लें। कढ़ाई में तेल गरम कर मिक्सचर को चपटा कर, उस पर काजू के टुकड़े और 1-2 किशमिश रखकर चारों ओर से बंद करके गोल कर लें। गरम तेल में कोफ्ते को डालकर उलट-पलट कर गोल्डन ब्राउन होने तक तल लें। **ग्रेवी के लिए**: पैन में 4 टेबल स्पून तेल डालेंगे। फिर जीरा, भूनने के बाद हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और अदरक का पेस्ट डालकर मसाले को हल्का सा भून लें। अब मसाले में टमाटर और हरी मिर्च का पेस्ट डालकर फिर इसमें खसखस का पेस्ट और लाल मिर्च पाउडर डालकर मसाले को अच्छे से भुनें। अब मसाले में पानी डाल सकते हैं। नमक, गरम मसाला और थोड़ा सा हरा धनिया डालकर 5-6 मिनट ढककर पकाए। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर रोटी या चावल जिसके साथ चाहे सर्व करें।

अडाई डोसा

- **तुअर दाल**: 3/4 कप
- **उड़द दाल**: 3/4 कटोरा
- **मूंग दाल**: 3/4 कटोरा
- **चना दाल**: 3/4 कटोरा
- **हल्दी**: चुटकी भर
- **हींग**: चुटकी भर
- **जीरा**: दो चम्मच
- **नमक** : स्वाद के अनुसार

विधि

अडाई डोसा बनाने के लिए सबसे पहले चावल और सभी दालों को अच्छे से साफ कर पानी से धो लें और एक साथ मिलाकर 4 घंटे के लिए भीगा दें। उसमें करी पत्ता और लाल मिर्च भी डाल दें। चार घंटे बाद पानी निथार कर मिक्सी मे थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर बारीक पीस लें और डोसे जैसा घोल तैयार कर लें। उसमें नमक और हींग मिलाकर मिक्स कर लें। अब डोसा तवा गरम करें और उसमें एक दो बूंद तेल डालकर कपड़े से पोछ कर साफ कर लें। अब उसमे एक बड़ा चम्मच डोसे का घोल डाले और चम्मच से गोल-गोल करके चारों तरफ फैला दें। ऊपर से एक छोटा चम्मच तेल डालें, फिर पलट कर थोड़ा सुनहरा होने तक सेक लें। तैयार है हेल्दी नाश्ता, जिसे आप नारियल की चटनी के साथ गरमा-गरम सर्व कर सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-3-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। स्वास्थ्य नरम होगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-6-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-1-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। कर्ज देने से बचें। शुभांक-4-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। एकाकी वृत्ति त्यागें। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। धार्मिक यात्रा का योग। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-4-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-5-7

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

▯ ▯ ▯

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

▯ ▯ ▯

काकुरो पहेली - 4025

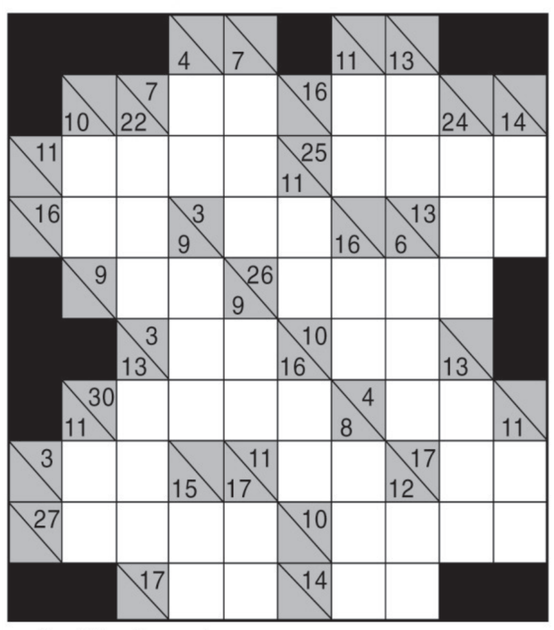

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

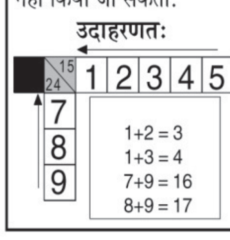

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -4025 का हल

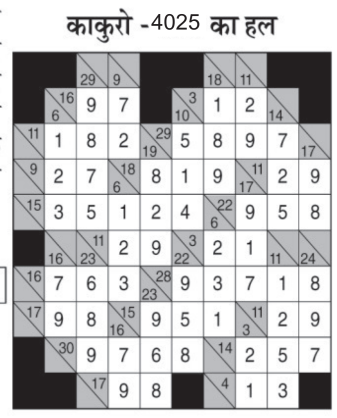

फिल्म वर्ग पहेली- 4025

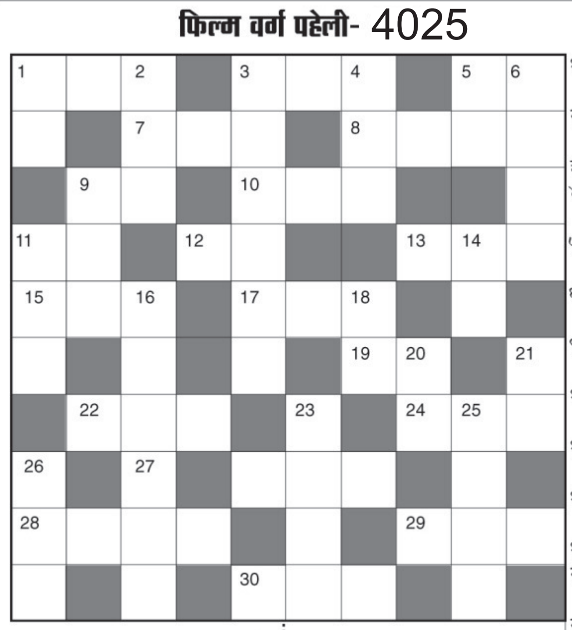

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निराली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4025

सूडोकु -4025

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4025 हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली -4025

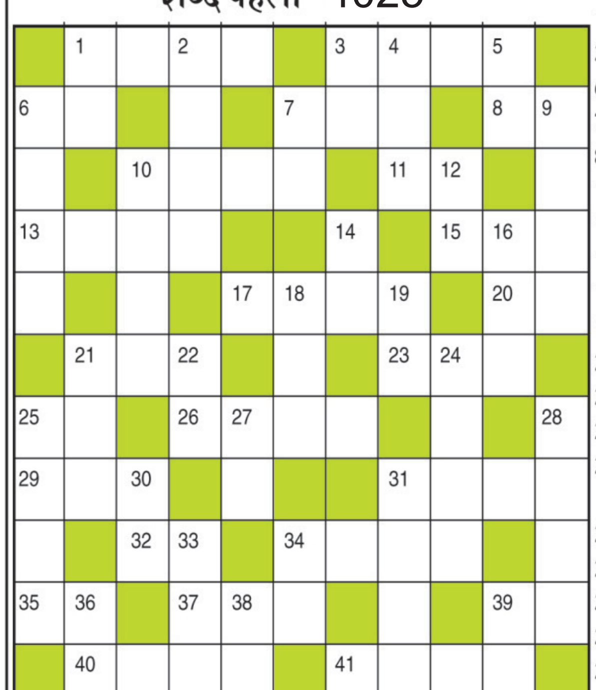

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली 4025 का हल

मुख्यमंत्री नीतीश को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने लिखा भावुक पोस्ट

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार संभवतः अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। हम के संस्थापक एवं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सीएम पद छोड़ने से पहले भावुक पोस्ट कर अपनी भावनाएं साझा की है। नीतीश कुमार को महामानव बताते हुए उन्होंने कहा है कि उनके बिना बिहार अधूरा रहेगा। अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से सोमवार को उन्होंने कहा कि नीतीश जी, अगले चौबीस घंटे में आप बिहार के मुख्यमंत्री पद को छोड़ देंगें। सबको पता है कि आपका यह खूवाब था कि आप देश के चारों सदनों के सदस्य रहें, पर आपके इस खूवाब ने करोड़ों दिलों को रूला दिया है। आगे उन्होंने लिखा है कि बिहार ने कई मुख्यमंत्रियों को आते-जाते देखा है पर शायद ये पहला मौक़ा है, जब आपको मुख्यमंत्री पद की छोड़ने की बातों को सुनकर ही करोड़ों लोगों के आँखों में आँसू भर आएं हैं। भले ही मुख्यमंत्री पद को छोड़ने का फ़ैसला आपका अपना फ़ैसला है जिसपर कोई सवाल नहीं खड़ा कर सकता, पर बिहार आज ग़मज़दा है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि हर बिहारी कह रहा है...वी विल मिस यू नीतीश जी... 'आप महामानव हैं, बिहार आपके बिना अधूरा है। '

अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से मजदूर की दबने से मौत

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर के घाटमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार ईंट से लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर हाइवे किनारे जाकर पलट गई। हादसे के वक्त ट्रॉली में बैठे मजदूर की ईंट के नीचे दबने से मौत हो गयी। घटना के बाद चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी । थाना प्रभारी दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि बिधनू के रमईपुर निवासी रामबाबू (45) मजदूर था। वह ईंट से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर कानपुर जा रहा था। कानपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित टेनापुर मोड़ के पास ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर गड्ढे में जा गिरी और पलट गई। ट्रॉली और ईंट के नीचे दबने मजदूर की मौत हो गई। घटना को देखकर चालक फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर घटना की जानकारी परिवार को दी। थाना प्रभारी ने बताया कि राहगीरों से पता चला है कि बेकाबू ट्रेक्टर ट्राली पलटने से यह हादसा हुआ है। घटना के बाद चालक फरार है,जिसकी तलाश की जा रही है।

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम करेंगे बंधुआ मजदूरी के उप्र के 216 मामलों की ऑनलाइन सुनवाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ईंट भट्टों में कथित बंधुआ मजदूरी के 216 मामलों की सुनवाई 16 अप्रैल को दिल्ली स्थित अपने परिसर में करेंगे। एनएचआरसी के अनुसार आयोग की यह पहल बंधुआ मजदूरी के उन्मूलन और मानवाधिकारों के संरक्षण के प्रति उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ऑनलाइन सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव या उनके नामित व्यक्ति, उत्तर प्रदेश के श्रम आयुक्त तथा सभी संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) की उपस्थिति अनिवार्य है। सम्बन्धित अधिकारी बंधुआ मजदूरों की पहचान, उनकी तत्काल रिहाई, व्यापक पुनर्वास और ई-श्रम पोर्टल पर उनके पंजीकरण के संबंध में की गई कार्रवाई पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। यह सुनवाई आयोग की ओर से प्राप्त शिकायतों और स्वतः संज्ञान के आधार पर की जा रही निरंतर निगरानी प्रक्रिया का एक हिस्सा है, ताकि समाज के सबसे वंचित वर्ग को न्याय सुनिश्चित किया जा सके।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यातायात सुधार को लेकर संयुक्त बैठक का आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्रवेश और निकास पॉइंट, विशेष रूप से अजमेरी गेट क्षेत्र में सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, नई दिल्ली में एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक (दिल्ली) पुष्पेश रमण त्रिपाठी ने की। बैठक में दिल्ली मंडल, दिल्ली यातायात पुलिस, दिल्ली नगर निगम, जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान स्टेशन परिसर और आसपास वाहनों तथा पैदल यात्रियों की आवाजाही को व्यवस्थित करने और समग्र यातायात प्रबंधन

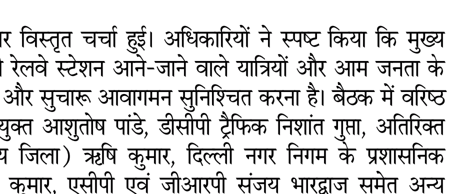

में सुधार लाने पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों और आम जनता के लिए बाधा-मुक्त और सुचारू आवागमन सुनिश्चित करना है। बैठक में वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आशुतोष पांडे, डीसीपी ट्रैफिक निशांत गुप्ता, अतिरिक्त डीसीपी-1 (मध्य जिला) ऋषि कुमार, दिल्ली नगर निगम के प्रशासनिक अधिकारी संजय कुमार, एसीपी एवं जीआरपी संजय भारद्वाज समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि अजमेरी गेट की ओर स्थित प्रवेश और निकास बिंदुओं पर अवैध विक्रेताओं और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम करेंगी, ताकि यात्रियों और आम जनता के लिए आवागमन को व्यवस्थित और निर्बाध बनाया जा सके।

भारत की आध्यात्मिक शक्ति से विश्व सुरक्षितः मोहन भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि जब तक भारत का अस्तित्व बना रहेगा, तब तक पूरी दुनिया सुरक्षित रहेगी।डॉ. भागवत ने यहां पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव के दौरान संतों की एक सभा को संबोधित करते हुए देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक श्रेष्ठता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत विश्व की आत्मा है और उसकी उपस्थिति वैश्विक संतुलन के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में भौतिकवाद और उपभोक्तावाद के बढ़ते प्रभाव ने कई समाजों को कमजोर कर दिया है, लेकिन भारत इन चुनौतियों के बीच भी अडिग बना हुआ है। भारत के पास ऐसी

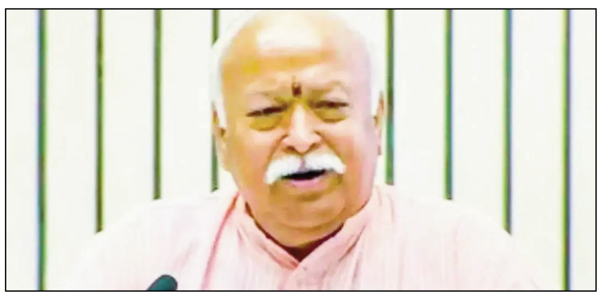

आध्यात्मिक ज्ञान और बुद्धिमत्ता है, जो अन्य देशों में दुर्लभ है। इतिहास का उल्लेख करते हुए सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम जैसी प्राचीन सभ्यताएं समय के साथ समाप्त हो गई, लेकिन भारत की सभ्यता आज भी जीवित और सशक्त है। उन्होंने इस निरंतरता का श्रेय देश के संतों, महापुरुषों और पूर्वजों से प्राप्त ज्ञान को दिया। उन्होंने कहा कि हमारे अस्तित्व का रहस्य वह ज्ञान है जो हमें अपने संतों से मिला है। जब भी विश्व किसी संकट का सामना करता है, भारत ही आगे का मार्ग दिखाता है। संघ प्रमुख ने संतों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रसारित आध्यात्मिक ज्ञान ही भारत की असली ताकत है, जो देश को बाहरी प्रभावों से सुरक्षित रखती है।उल्लेखनीय है कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव जैन धर्म का एक भव्य पांच दिवसीय अनुष्ठान है, जिसमें नए जिनालयों में तीर्थंकर प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा की जाती है। इस दौरान भगवान के जीवन के पांच कल्याणक- गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान, मोक्ष मनाए जाते हैं।

पंजाब विधानसभा में बेअदबी कानून पारित, सजा उम्र कैद, 25 लाख तक जुर्माना

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब में करीब एक दशक से चुनावी मुद्दा बने बेअदबी के मामलों में अब कड़ी सजा देने के लिए बेअदबी कानून पारित किया गया है। बैसाखी के अवसर पर पंजाब विधानसभा के विशेष एक दिवसीय सत्र के दौरान विधानसभा में जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026 सर्वसम्मति से पास किया गया। इस विधेयक में आरोपितों को उम्र कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सदन में यह विधेयक पेश किया। चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस हुई। हंगामे के बीच मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्पष्ट किया कि यह विधेयक अभी केवल श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी पर ही लागू होगा। गैर सिखों (हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, आदि) के पवित्र ग्रंथों और धार्मिक स्थलों से छेड़छाड़ पर इस विधेयक के तहत फिलहाल कोई सजा का प्रावधान नहीं है। सीएम ने कहा कि अन्य धर्मों के लोगों से भी राय लेकर जल्द ही कानून बनाया जाएगा। सीएम ने कहा कि राज्यपाल से हस्ताक्षर करवाना सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्यपाल के पास मेरी शिकायत लेकर तीसरे दिन पहुंच जाते हो। गवर्नर ने अगर बिल को मंजूरी देने में देरी की, तो दोनों साथ चलेंगे। इस विधेयक को लेकर नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा और स्पीकर कुलतार सिंह संधवां के बीच बहस हुई। बाजवा ने कहा कि हम इस बिल का समर्थन करते हैं, लेकिन इस मामले में बनाई गई निज्जर कमेटी की रिपोर्ट को सदन में पेश किया जाए।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए नया मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए एक नया मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है। यह ऐप प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल रूप से मजबूत करने और ग्रामीण एवं उप-स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर इलाज की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह एप्लिकेशन भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित किया गया है। इसे आयुष्मान आरोग्य मंदिर के उपकेन्द्रों में स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए एक क्लिनिकल निर्णय-सहायक टूल के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यह ऐप देश की 12 कॉम्प्रिहेंसिव प्राइमरी हेल्थ केयर सेवा के अनुरूप काम करता है, जिससे मरीजों की जांच और इलाज एक मानकीकृत प्रणाली के तहत किया जा सके। इस ऐप की सबसे बड़ी विशेषता इसका संरचित क्लिनिकल वर्कफ़्लो है, जो स्वास्थ्य अधिकारियों को मरीज की स्थिति समझने, इतिहास लेने, शारीरिक जांच करने और आवश्यक जांचें चुनने में चरणबद्ध मार्गदर्शन देता है। इससे स्वास्थ्य कर्मियों को सही निर्णय लेने में मदद मिलती है और गलतियों की संभावना कम होती है। एप्लिकेशन में एक रंग-कोड आधारित प्रणाली भी

शामिल की गई है, जिससे मरीज की गंभीरता को तुरंत समझा जा सकता है। लाल रंग गंभीर और जीवन-घातक स्थितियों के लिए तुरंत रेफरल का संकेत देता है, नारंगी रंग विशेषज्ञ सलाह की जरूरत बताता है, पीला रंग ऐसी स्थितियों को दर्शाता है जिन्हें प्राथमिक स्तर पर टेली-कंसल्टेशन के साथ संभाला जा सकता है, जबकि हरा रंग सामान्य और हल्की स्थितियों के लिए है। इस ऐप में कई डिजिटल सुविधाएँ भी जोड़ी गई हैं, जैसे कि मरीज का पंजीकरण, इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड, टेलीमेडिसिन सपोर्ट, डायग्नोस्टिक रिपोर्टिंग और फॉलो-अप ट्रैकिंग। यह सभी सुविधाएँ राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों से जुड़ी हुई हैं, जिससे मरीजों की देखभाल में निरंतरता बनी रहती है। आईसीएमआर में आयोजित कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएँ किसी भी देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की नींव होती हैं और भारत का यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज का लक्ष्य इसी मजबूत आधार पर टिका है। उन्होंने इस डिजिटल टूल को एक बड़ा सुधार बताते हुए सुझाव दिया कि भविष्य में इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भी शामिल किया जाना चाहिए ताकि निर्णय लेने की क्षमता और बेहतर हो सके।

नोएडा में प्रदर्शन और हिंसा पर मुख्यमंत्री योगी सख्त, कहा– औद्योगिक अशांति फैलाने वालों से सावधान रहें श्रमिक

एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रगति के पद पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन कुछ लोग इसके खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं। नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर के श्रमिकों से अपील की कि वे औद्योगिक अशांति फैलाने वालों से सावधान रहें और उनके प्रयासों को किसी भी कीमत पर सफल न होने दें। डबल इंजन सरकार विकास व विरासत की यात्रा को मजबूती से आगे बढ़ा रही है, जिसमें श्रमिकों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को केंद्र में रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुजफ्फरनगर में 951 करोड़ रुपये की 423 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करनेके बाद जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि औद्योगिक विकास के साथ सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित रहेगी, ताकि प्रदेश में शांति, स्थिरता और समृद्धि का वातावरण बना रहे। सरकार एक ओर जहां आधुनिक तकनीक, रोजगार और निवेश को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा, सुशासन और सेवा का एक मजबूत मॉडल प्रस्तुत कर रही है। ऐसे में जब प्रदेश विकास और शांति की ओर अग्रसर है, कुछ लोग षड्यंत्र के तहत अशांति फैलाने की चेष्टा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कार्मिकों व श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि वे याद करें, कोरोना काल में सरकार किस तरह उनके साथ खड़ी रही। उस कठिन समय में सरकार ने श्रमिकों के लिए परिवहन, क्वारंटीन और भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की, उन्हें सुरक्षित घर तक पहुंचाया। औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शुकदेव की इस पावन धरा पर, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह व चौधरी अजीत सिंह की कर्मभूमि पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का अनावरण किया गया है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 350वीं जयंती गत वर्ष प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में मनाई गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जगन्नाथ पुरी से लेकर सोमनाथ तक, काशी विश्वनाथ से लेकर रामेश्वरम तक भारत की गुलामी के उस कालखंड में, जब मुगल आक्रांताओं के कारण व्यवस्था जकड़ी हुई थी, तब भी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर भारत की विरासत के संरक्षण के लिए पूरी तन्मयता से कार्य कर रही थीं। आज का काशी विश्वनाथ मंदिर उसी का उदाहरण है, जिसका पुनर्निर्माण लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने कराया था, जब औरंगजेब ने उसे ध्वस्त कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सभी उद्योगों से भी इस संबंध में अपील करता हूं कि वे श्रमिकों और कार्मिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करें।

किसान अब अन्नदाता नहीं, ऊर्जा दाता-ईंधन दाता और हाइड्रोजन दाता भी बनेगाः गडकरी

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा दाता, ईंधन दाता, हवाई ईंधन दाता, डामर दाता और हाइड्रोजन दाता भी बनेगा। कृषि अवशेष, पराली, बायोमास, इथेनॉल, सीएनजी और हाइड्रोजन के माध्यम से किसानों के लिए आय के नए रास्ते खुलेंगे, आयात घटेगा और गांवों की अर्थव्यवस्था को नई ताकत मिलेगी। केन्द्रीय मंत्री गडकरी मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कृषि मेले 'उन्नत कृषि महोत्सव' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रखी गई क्षेत्रीय मांगों पर महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए विकास की नई सौगात दी। उन्होंने रायसेन रिंग रोड/पूर्वी बायपास के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने, संबंधित डीपीआर तैयार करने, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया राज्य सरकार द्वारा बढ़ाए जाने और पुलों के सौंदर्यीकरण संबंधी मांगों पर सकारात्मक सहमति व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य सड़क संबंधी प्रस्तावों पर भी जो संभव सहयोग होगा, वह किया जाएगा। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा रायसेन में आयोजित इस उन्नत कृषि मेले का हजारों किसानों की उपस्थिति के बीच भव्य समापन हुआ। समापन सत्र में केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जहां सड़क विकास, कृषि तकनीक, जल संरक्षण, वैकल्पिक ऊर्जा और ग्रामीण समृद्धि का व्यापक विजन रखा, वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बीज से बाजार तक तैयार रोडमैप को जमीन पर उतारने का दृढ़ संकल्प दोहराया। गडकरी ने कहा कि वे इस कार्यक्रम में मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि किसान के रूप में आए हैं। उन्होंने कहा कि खेती का भविष्य अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वेदर स्टेशन, सैटेलाइट आधारित सूचना, ड्रोन, नैनो यूरिया और आधुनिक कृषि तकनीकों से जुड़ चुका है, इसलिए किसानों को समय के साथ बदलना होगा। उन्होंने कहा कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और ज्ञान को संपत्ति में बदलना आज कृषि क्षेत्र की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने किसानों से इनोवेशन, रिसर्च, सफल प्रयोगों और तकनीक-आधारित खेती को अपनाने का आह्वान किया, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन संभव हो सके।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने जल संरक्षण पर विशेष बल देते हुए कहा कि दौड़ते हुए पानी को चलने के लिए, चलने वाले पानी को रुकने के लिए और रुके हुए पानी को जमीन को पिलाने के लिए लगाना होगा। उन्होंने 'गांव का पानी गांव में, खेत का पानी खेत में, घर का पानी घर में' का संदेश देते हुए कहा कि जैसे पैसा बैंक में जमा किया जाता है, वैसे ही पानी को जमीन में डिपॉजिट करना होगा। जहां सिंचाई का पानी सीधे नहीं पहुंच सकता, वहां जल संरक्षण की संरचनाएं बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने डेयरी, मत्स्य पालन और ब्लू इकोनॉमी को किसानों की आय बढ़ाने के बड़े माध्यम बताते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन, मत्स्य उत्पादन और उससे जुड़ी गतिविधियों पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। केवल उत्पादन बढ़ाना काफी नहीं है, बल्कि प्रोसेसिंग प्लांट, कोल्ड स्टोरेज, प्री-कूलिंग सिस्टम और वैल्यू एडिशन की मजबूत व्यवस्था भी बनानी होगी।

नासिक दुष्कर्म मामले में ईडी के 11 ठिकानों पर छापे, खरात को 7 दिन की न्यायिक कस्टडी

एजेंसी

मुंबई। नासिक दुष्कर्म मामले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम भी शामिल हुई और अशोक खरात से संबंधित 11 ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की। नासिक जिला न्यायालय ने खरात को दुष्कर्म के तीसरे मामले में 7 दिन की न्यायिक कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है। विशेष जांच दल (एसआईटी) अशोक खरात को मंगलवार को दुष्कर्म के चौथे मामले में न्यायालय में पेश करेगा।इस मामले की छानबीन कर रहे एसआईटी अधिकारी ने बताया कि दुष्कर्म के तीसरे मामले में खरात को पांच दिन की पुलिस कस्टडी मिली थी। जो आज खत्म हो रही थी, इसलिए खरात को वीसी के माध्यम से न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायालय ने तीसरे मामले में खरात को 7 दिन की न्यायिक कस्टडी दी है। दुष्कर्म के चौथे मामले में आरोपित खरात को मंगलवार को फिर न्यायालय में पेश किया जाएगा और पुलिस कस्टडी मांगी जाएगी। नासिक दुष्कर्म मामले में आरोपित अशोक खरात पर कुल 14 मामले दर्ज हैं। इनमें 8 मामले दुष्कर्म के हैं और छह मामले धोखाधड़ी के हैं। एसआईटी अधिकारी ने बताया कि आज सुबह से ईडी और एसआईटी की टीम नासिक में पांच जगह, पुणे में तीन जगह और अहिल्यानगर शिर्डी में तीन जगह छापेमारी कर रही है। इनमें अशोक खरात का आवास तृप्तिबाला बंगला, इशानेश्वर मंदिर के पास फार्महाउस शामिल है। ईडी खरात की ओर से किए गए जमीन व्यवहार में किए गए लेन-देन, बैंक खातों की भी जांच कर रही है। अधिकारी अभी खरात की प्रॉपर्टी को नाप रहे हैं और उनकी मौजूदा मार्केट वैल्यू का अंदाज़ा लगा रहे हैं। वे इन प्रॉपर्टी को खरीदने के पीछे के मकसद की भी जांच कर रहे हैं। इसके अलावा ईडी के अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि कुछ प्रॉपर्टी में पार्टनर को क्यों शामिल किया गया।

युवा सपनों को पूरा करने के लिए करें मेहनत, सरकार निभाएगी पूरा साथ : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा देश की दशा और दिशा तय करता है। युवा शक्ति को और अधिक सशक्त करने के लिए डबल इंजन की सरकार रीति और नीति के साथ काम कर रही है। युवा अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत करें, सरकार उनका पूरा साथ निभाने के लिए तत्पर है। राज्य के युवा अब सिर्फ नौकरी लेने वाले नहीं, नौकरी देने वाले भी बन रहे हैं। हमारी सरकार ने युवाओं को उनका हक दिलाने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं। युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी एवं विकास के प्रमुख स्तम्भ शर्मा ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित माय भारत बजट क्वेस्ट, राजस्थान यूथ डायलॉग में वीसी के जरिए प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता एवं युवा नीति जारी करने जैसे युवा हित में लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। शर्मा ने कहा कि माय भारत बजट क्वेस्ट जैसे मंचों के माध्यम से जब युवा देश की आर्थिक नीतियों को समझता है तो वह एक ज्यादा जिम्मेदार और बेहतर नागरिक बनता है। राज्य के युवाओं ने 75 हजार से अधिक प्रतिभागियों के बीच असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी विलक्षण प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जब राजस्थान के

किसी गांव, कस्बे, छोटे शहर का युवा इस मंच तक पहुंचता है तो वह सिर्फ अपने लिए नहीं, अपने पूरे परिवार और अपने पूरे समाज के लिए एक उम्मीद की किरण लेकर आता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर जहां राजस्थान के युवा अत्याधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भी नए प्रतिमान स्थापित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हमारी सरकार भी युवाओं के हितों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। हमने सरकार के गठन के पश्चात पेपर लीक की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया। जिसके चलते डमी अभ्यर्थी, फर्जी डिग्री व भर्ती परीक्षा संबंधी अन्य अनियमिताओं के लिए 420 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, पिछले 2 वर्ष में 351 से अधिक छोटी-बड़ी परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के पूर्ण पारदर्शी तरीके से आयोजित करवाई जा चुकी हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 4 लाख भर्तियों के संकल्प को मूर्त रूप देते हुए अब तक 1 लाख 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी की सौगात दी है। वहीं, सरकार के प्रयासों से निजी क्षेत्र में भी अब तक 3 लाख रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं।

इसके अलावा युवाओं को स्वरोजगार के लिए ब्याज मुक्त ऋण भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। जिससे युवा केवल नौकरी लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला भी बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान संभावनाओं से भरा प्रदेश है। यहां सौर ऊर्जा, पर्यटन, कृषि, डेयरी सहित सभी क्षेत्रों में युवाओं के लिए भरपूर अवसर हैं। हमारा लक्ष्य है कि युवा आगे बढ़े, आत्मनिर्भर बने और विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाए। हमने बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में युवाओं से सुझाव प्राप्त कर उन्हें बजट में शामिल किया।

विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : केंद्रीय मंत्री मंडाविया

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रीय-स्तरीय 'माय भारत बजट क्वेस्ट ' के आयोजन में युवा मामले और खेल मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने अपने वर्चुअल संबोधन में विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को समावेशी विकास तथा सतत विकास की दिशा में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्य निदेशक (प्रभारी) माय भारत छत्तीसगढ़, युवा मामले और खेल मंत्रालय भारत सरकार अर्पित तिवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में, माय भारत छत्तीसगढ़ द्वारा आईआईआईटी रायपुर में राष्ट्रीय-स्तरीय 'माय भारत बजट क्वेस्ट 'का सफलतापूर्वक समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूरे राज्य से 500 से अधिक युवा प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो नीतिगत संवाद और

राष्ट्र-निर्माण की पहलों में युवाओं की गहरी भागीदारी को दर्शाता है।

कार्यक्रम के शुभारम्भ में पर्यटन मंत्री छत्तीसगढ़ शासन राजेश अग्रवाल ने युवाओं को संबोधित किया ।

कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के मुख्य अतिथि के रूप में सामपन सत्र में इस कार्यक्रम में शिरकत की और युवाओं को बजट क्वेस्ट कार्यक्रम में विकसित भारत मे संकल्प को पूरा करने का आव्हान किया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होकर युवाओं से चर्चा कर बजट के विषय पर प्रकाश डाला। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में मानव पूंजी विकास और विकसित कृषि (विकसित खेती) जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषयों पर सारगर्भित चर्चाएँ आयोजित की गईं। इन सत्रों ने प्रतिभागियों के बीच सार्थक संवाद, नवीन विचारों के आदान-प्रदान और नीति-उन्मुख सोच को बढ़ावा दिया। 'माय भारत बजट क्वेस्ट ' ने युवाओं के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य किया, जिसके माध्यम से वे बजटीय और विकासात्मक ढाँचों को समझने, उन पर चर्चा करने और उनमें योगदान देने में सक्षम हुए। यह पहल भारत की प्रगति में युवा नागरिकों को एक हितधारक के रूप में सशक्त बनाने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है।

इस आयोजन का समापन युवा-नेतृत्व वाले परिवर्तन के एक सशक्त संदेश के साथ हुआ, जिसने एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ किया। ओपी व्यास डायरेक्टर आईआईआईटी रायपुर ने भी सभी का स्वागत किया।

देश में सामान्य से कम बारिश का अनुमान, मौसम विभाग की शुरुआती रिपोर्ट जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 को लेकर शुरुआती पूर्वानुमान जारी किया है। इस बार देश में मानसूनी बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है। जून से सितंबर के बीच होने वाली कुल वर्षा लगभग 92 प्रतिशत लॉन्ग पीरियड एवरेज (यानी किसी क्षेत्र में एक निश्चित अवधि में 30 या 50 वर्षों की दर्ज की गई औसत वर्षा) रहने का अनुमान है, जिसमें ±5 प्रतिशत की संभावित त्रुटि हो सकती है। देश के लिए एलपीए (1971-2020 के आधार पर) 87 सेंटीमीटर तय है। आईएमडी ने जारी पूर्वानुमान में बताया कि फिलहाल प्रशांत महासागर में कमजोर ला नीना जैसी स्थिति बनी हुई है, जो धीरे-धीरे ईएनएसओ न्यूट्रल की ओर बढ़ रही है। हालांकि, मानसून सीजन के दौरान एल नीनो बनने की संभावना जताई गई है, जो बारिश को प्रभावित कर सकता है। हिंद महासागर में इस समय इंडियन ओसियन डायपोल (आईओडी) न्यूट्रल स्थिति है, लेकिन मानसून के अंत तक पॉजिटिव आईओडी विकसित होने की संभावना है। इसके अलावा जनवरी से मार्च 2026 के दौरान उत्तरी गोलार्ध में बर्फ का आवरण सामान्य से थोड़ा कम दर्ज किया गया है, जिसका

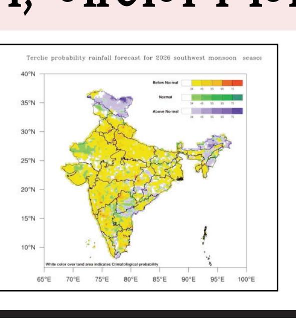

असर भी मानसून पर पड़ सकता है। आईएमडी ने कहा है कि मानसून 2026 का अगला अपडेट मई के अंतिम सप्ताह में जारी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ला नीना प्रशांत महासागर में उत्पन्न होने वाली एक जलवायु प्रक्रिया है, जिसमें भूमध्यरेखीय पूर्वी प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है। यह अल नीनो का विपरीत चरण है, जो हर 3-5 साल में सक्रिय होता है और वैश्विक मौसम पैटर्न को प्रभावित करता है। ला नीना से भारत में अच्छी बारिश और कड़ाके की ठंड की संभावना रहती है। ईएनएसओ (अल नीनो-दक्षिणी दोलन) न्यूट्रल वह चरण है जब उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर का तापमान एल नीनो (गर्म) या ला नीना (ठंडा) के बीच सामान्य (0.5°Cसे -0.5°C विसंगति) रहता है। इसमें सामान्य व्यापारिक हवाएं चलती हैं, जिससे मौसम की चरम स्थितियां (सूखा/बाढ़) कम होने की संभावना रहती है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर

अपनी लय हासिल करना होगा। बेंगलुरु के मशहूर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बड़े स्कोर बनते हैं। ऐस में इस मैच में रोमांचक मुकाला होना तय है। अब तक दोनो टीमों के बीच 6 मैच खेले गये हैं जिसमें से आरसीबी ने 4 जबकि सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), क्रुणाल पंड्या, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मंगेश यादव। भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

लखनऊ सुपर जायंट्स

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, जॉर्ज लिंडे, मोहम्मद शमी, अवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आयुष बडोनी

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं।

सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी।

सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

टीम इंडिया में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री तय

–सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने की दहलीज पर 15 वर्षीय युवा सनसनी, आयरलैंड दौरे पर कर सकते हैं ऐतिहासिक डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उभरते हुए सितारे वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रचने के बेहद करीब हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति आईपीएल 2026 में उनके विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें आगामी जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि वैभव इस दौरे पर पदार्पण करते हैं, तो वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 16 साल की उम्र में डेब्यू करने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ता राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज को सीधे सीनियर टीम में परखना चाहते हैं।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार तब चर्चा में आए थे जब आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मात्र 35 गेंदों में शतक जड़कर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था। इतना ही नहीं, अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 80 गेंदों में 175 रनों की अविश्वसनीय पारी ने उन्हें रातों-रात वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में ला दिया। उनकी इसी निरंतरता और प्रतिभा को देखते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी उन्हें कम उम्र में भारत के लिए डेब्यू करने का हकदार बताया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की रणनीति स्पष्ट है कि आयरलैंड जैसी टीम के खिलाफ वैभव को मौका देकर उनके कौशल को अंतरराष्ट्रीय दबाव में आजमाया जाए। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव की बल्लेबाजी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट के अनुकूल है और उन्हें लंबा इंतजार कराने के बजाय अनुभव प्रदान करना टीम के भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है और यदि वे फिटनेस

मानकों पर खरे उतरते हैं, तो आगामी सीरीज में वे नीली जर्सी में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया, डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ हैं। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफडे हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

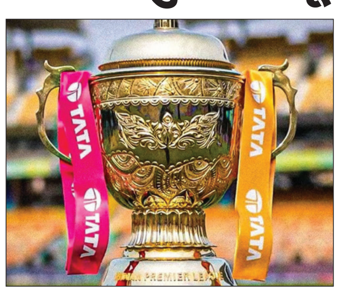

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं। आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग–अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन (एजेंसी)। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है। शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया। जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा ने सीरीज में 5 अर्धशतक भी लगाये थे, जिसमें मैनचेस्टर में खेली गई उनकी शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने 86 के औसत से 516 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए जबकि ऋषभ ने 479 रन बनाए थे।

ईरान की महिला फुटबॉल कप्तान जहरा गनबरी को कोर्ट से राहत, जब्त संपत्ति लौटाई गई

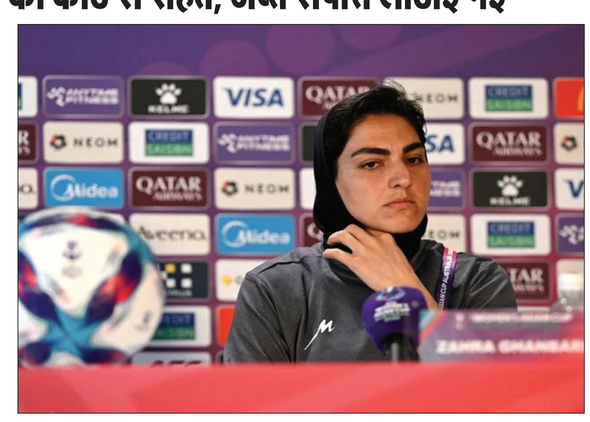

तेहरान। ईरान की अदालत ने महिला फुटबॉल टीम की कप्तान जहरा गनबरी को बड़ी राहत देते हुए उनकी जब्त संपत्ति वापस करने का आदेश दिया है। यह फैसला उनके आचरण में बदलाव और मामले में निर्दोष पाए जाने के बाद लिया गया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट ने गनबरी की संपत्ति लौटाने का निर्णय हालिया समीक्षा के बाद सुनाया। इससे पहले उनकी संपत्ति एक विवाद के चलते जब्त कर ली गई थी, जो उस समय शुरू हुआ था जब उन्होंने और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने विदेश में शरण लेने की कोशिश की थी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एशियन कप के दौरान, जो क्षेत्रीय तनाव के शुरुआती दौर में हुआ था, गनबरी उन खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्होंने शरण मांगी थी। इस कदम ने उस समय काफी विवाद खड़ा कर दिया था और इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। हालांकि, बाद में जहरा गनबरी समेत पांच खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य ईरान लौट आए थे। 19 मार्च को तेहरान पहुंचने पर उनका स्वागत भी किया गया, जिससे संकेत मिला कि स्थिति में कुछ नरमी आई है। यह फैसला ईरान के भीतर खेल और सामाजिक मामलों में बदलते रुख का संकेत हो सकता है। गनबरी के मामले में कोर्ट का यह कदम खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर खिलाड़ियों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान उनकी स्थिति को लेकर बहस को जन्म दिया है। आने वाले समय में इस तरह के मामलों में नीति और रुख किस दिशा में जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14–14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, 'कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम 'ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है।' क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री–क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रां की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

वीकएंड पर फिर गरजी 'धुरंधर 2', जानें 'डकैत' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' का कैसा है हाल?

सिनेमाघरों में बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। रविवार का दिन सभी फिल्मों के लिए ठीक-ठाक रहा। 'धुरंधर 2' सभी फिल्मों पर हावी रही है। इसे वीकएंड का फायदा मिला है। धीमी रफ्तार से 'डकैत' की कमाई जारी है। 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' की भी वीकएंड पर कमाई बढ़ी है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों का कलेक्शन।

'धुरंधर 2' दुनियाभर में भी अच्छी कमाई कर रही है। इसने 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 1712.98 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अगर फिल्म की कमाई इसी तरह जारी रही तो यह जल्द ही 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 'पुष्पा 2' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1740 करोड़ रुपये है। 'धुरंधर 2' ने रचा इतिहास 'धुरंधर 2' चीन और खाड़ी देशों के कलेक्शन को छोड़कर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। चीन और खाड़ी देशों के बिजनेस को छोड़कर 'दंगल' ने 700झ790 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' 1685 करोड़ रुपये और 'बाहुबली 2' 1615 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

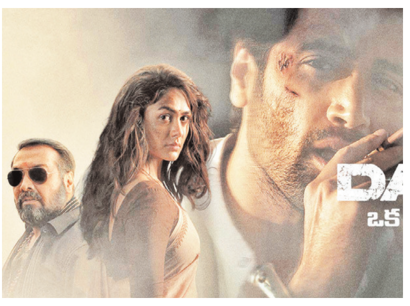

'डकैत' का कुल कलेक्शन

साउथ की फिल्म 'डकैत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 6.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसकी कमाई 6.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 19.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष अहम किरदार में हैं। यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है।

'प्रोजेक्ट हेल मेरी'

26 मार्च को भारत में रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' ने रविवार को 4.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 20.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 24.70 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 55.01 करोड़ रुपये हो गया है।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर

अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है। नीतू ने किया ऋषि को याद नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।' नीतू और ऋषि की शादी नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। 'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर नीतू कपूर जल्द ही फिल्म ह्यदादी की शादीह्न में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया। दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दशार्ती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है। पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, "2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।" बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह 'काया' नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

'वाराणसी' के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन इस महीने की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुड्ढा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

'जना नायकन' लीक मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम ने शुरू की जांच, छह गिरफ्तार

थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की घटना सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन चुकी है। साउथ के कई बड़े सुपरस्टार ने लीक और पाइरेसी की बढ़ती घटनाओं पर सवाल किए, जिसके बाद अब तमिलनाडु की साइबर पुलिस हरकत में आ गई है और मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी भी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद तमिलनाडु की साइबर पुलिस ने दी है। तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने कथित डेटा लीक की विस्तृत जांच आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। यह शिकायत केवीएन प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन कंट्रोलर आर. उदयकुमार की ओर से आई थी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अप्रकाशित फुटेज को गैरकानूनी रूप से प्राप्त कर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया। शिकायत के अनुसार, यह कोई आकस्मिक लीक नहीं थी। इसमें 21 व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर एक कथित पायरेसी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। तमिलनाडु साइबर क्राइम ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और 300 से अधिक अवैध लिंक पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पाइरेसी को अपराध बनाते हुए ऐसी हरकत करने वाले लोगों को चेताया है और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' अभिनेता विजय के राजनीति में आने से पहले की आखिरी फिल्म है, जिसमें पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में विजय की एंट्री के कुछ सीन्स को लीक कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता सादे कपड़ों में बच्चों के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। माना जाता रहा है कि यह फिल्म का शुरूआती सीन है, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। मामले में कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेता घटना को निंदनीय बता चुके हैं। इससे पहले आरआरआर, पुष्पा-2 और बाहुबली-2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों को भी पाइरेसी का दंश झेलना पड़ा था। मेकर्स ने उस वक्त भी फैंस से फर्जी लिंक्स से फिल्म न देखने की अपील की थी।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' निकल गई थी।शाहरुख को किया नाराज राजपाल यादव ने बताया कि शुरूआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म 'बिल्लू' में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि 'ओम शांति ओम' में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे 'बिल्लू' के सेट पर थे। शाहरुख से मिले राजपाल जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा 'बिल्लू' का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम 'कल हो ना हो' में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।' किसी ने पेश की खराब छवि राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा 'पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।' 'ओम शांति ओम' का कलेक्शन फराह खान के निर्देशन में बनी 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे।

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है। पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'। सितंबर में शुरू की तैयारी खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे। कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'? फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।